सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 353, नई दिल्ली । शनिवार, 01 मार्च 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 दिल्ली में क्यों हारी आम आदमी पार्टी?
06 समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित करना जरूरी
08 नई शिक्षा नीति, तनाव और अवसाद: एक विवेचन।

दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा बिना जांच पड़ताल के जारी आदेश से परिवहन विभाग और नगर निगम के राजस्व में भारी नुकसान, जनता की सुरक्षा में सेंध और प्रदूषण में बढ़ोतरी की भारी आशंका

संजय बाटला

नई दिल्ली। जैसा कि आप सभी जानते है की एक निजी कम्पनी जिसका कार्य अनुबंध समाप्त हुए काफी समय बीत चुका हैं को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त द्वारा जारी आदेश **"वाहन जांच बुराड़ी वाहन जांच शाखा के स्थान पर झूलझूली वाहन जांच शाखा"** में स्थानांतरित करने से दिल्ली के व्यवसायिक वाहनों के जांच करवाकर जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने में वाहन मालिकों की परेशानी बढ़ गई क्योंकि वाहन जांच करवाने के लिए निश्चित समय आनलाइन प्रक्रिया से लेकर ही वाहन को जांच शाखा में ले जाकर वाहन की जांच करवाना अनिवार्य है। परिवहन आयुक्त द्वारा झूलझूली वाहन जांच शाखा में जिन वाहनों की जांच आदेश में अनिवार्य की वह वहां की क्षमता से कई गुणा अधिक थे जिस कारण वाहन मालिकों को वाहन जांच करवाने के लिए निश्चित समय आनलाइन प्रक्रिया से प्राप्त होना नामुमकिन हो गया और वाहन बिना जांच प्रमाण पत्र प्राप्त हुए खड़े होने लग गए और दिन प्रतिदिन बिना जांच प्रमाण पत्र के वाहनों की गिनती बढने लगी। जिससे वाहन मालिकों को मानसिक और आर्थिक परेशानियों ने घेरना शुरू कर दिया। वाहनों को खड़ा करवाकर और परिवहन आयुक्त द्वारा की ग़लती का जुर्माना भी वाहन मालिकों पर ठोप दिया। **यहां हम आपकी जानकारी के लिए बता दें की वाहन जांच प्रमाण पत्र की समय सीमा समाप्त होने के बाद वाहन जांच की फीस तभी कट सकती हैं जब वाहन जांच की निर्धारित फीस के साथ देरी के लिए प्रतिदिन 50 रुपए का जुर्माना और वाहन पंजीकरण के नवीनीकरण हेतु निर्धारित फीस जमा करवाई जाए**

गलती परिवहन आयुक्त की जिसने बिना पूर्ण जांच पड़ताल किए तुगलकी आदेश जारी कर दिया, जिसके कारण वाहन मालिकों को वाहन जांच करवाने के लिए निश्चित समय आनलाइन प्रक्रिया से प्राप्त नहीं हो पा रहा और जुर्माना भी वाहन मालिक पर। परिवहन आयुक्त द्वारा जारी इस आदेश के खिलाफ सभी व्यवसायिक वाहन मालिकों ने आवाज उठाई पर ना तो परिवहन आयुक्त ने, ना ही दिल्ली सरकार ने और ना हीं मुख्य सचिव और उपराज्यपाल ने इस बाबत कोई कार्यवाही की। **हताश होकर वाहन मालिकों ने दिल्ली से बाहर के राज्यों में स्थापित एटीएस द्वारा वाहन जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करना शुरू कर दिया।** जिस कारण दिल्ली परिवहन विभाग के राजस्व के साथ नगर निगम के राजस्व में लाखों - करोड़ों रुपयों का नुकसान शुरू हो चुका हैं। नगर निगम का इसलिए क्योंकि दिल्ली में व्यवसायिक वाहनों की वाहन जांच की फीस के साथ नगर निगम की पार्किंग फीस लागू है पर अन्य राज्यों से जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने पर वाहन मालिकों से वह कानूनन जमा नहीं करवाई जा सकती। **अब आप समझ सकते है कैसे दिल्ली परिवहन आयुक्त ने एक निजी कम्पनी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से ना सिर्फ दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों को परेशानी में डाला अपितु दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम को भी लाखों करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान करवा दिया।** अब आपको बताते है **दिल्ली परिवहन आयुक्त के इसी आदेश की बदौलत दिल्ली में वाहन प्रदूषण भी बढ़ेगा और जनता का जीवन भी असुरक्षित होगा विश्वस्त सूत्रों के अनुसार बाहरी राज्यों में स्थापित एटीएस वाले फीस के साथ एकमुश्त रकम लेकर बिना वाहन की जांच किए वाहन जांच प्रमाण पत्र जारी कर रहे है** यानी वाहन दिल्ली में चल रहा हैं और फिटनेस बाहरी राज्यों में स्थापित एटीएस से जारी हो रही हैं। **अब आप समझ सकते हैं की जब वाहन को बिना जांच किए वाहन जांच प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया तो ना तो वाहन प्रदूषण नियंत्रण में होगा और ना ही सड़को पर दिल्ली की जनता का जीवन सुरक्षित और इन सभी के लिए जिम्मेदार हैं दिल्ली में परिवहन आयुक्त पद पर आसीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बनाम एडिशनल मुख्य सचिव।**

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
RNI Number:- DELHIN/2023/86499

"परिवहन विशेष" हिन्दी दैनिक समाचार पत्र आपके द्वारा मिलने वाले प्यार, स्नेह और सहयोग के कारण अपने दो साल की सेवा प्रदान करने में कामयाब रहा और अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह पर अपना द्वितीय वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित करने जा रहा है। "इस समारोह में प्रदूषण से मुक्ति (ग्रीन रेवोल्यूशन), सड़क दुर्घटना, सड़क जाम से मुक्ति और लेन ड्राइविंग की अनिवार्यता" पर विशेषज्ञों के विचार एवं डिबेट और देश में इन कार्यों में सेवा प्रदान करने वाली संस्थाओं, कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा। आप सभी का समारोह में आयोजक कमेटी स्वागत करती है।

ट्रैफिक पुलिस का नया आइडिया : सड़कों पर ब्रेक डाउन बसों से लगने वाले जाम से मिलेगी निजात

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की सड़कों पर अक्सर बसों के ब्रेक डाउन होने से जाम लग जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने डीटीसी के साथ मिलकर एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ब्रेक डाउन हुई बसों को जल्दी ठीक कर सड़क से हटाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस पहल से जाम की समस्या से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

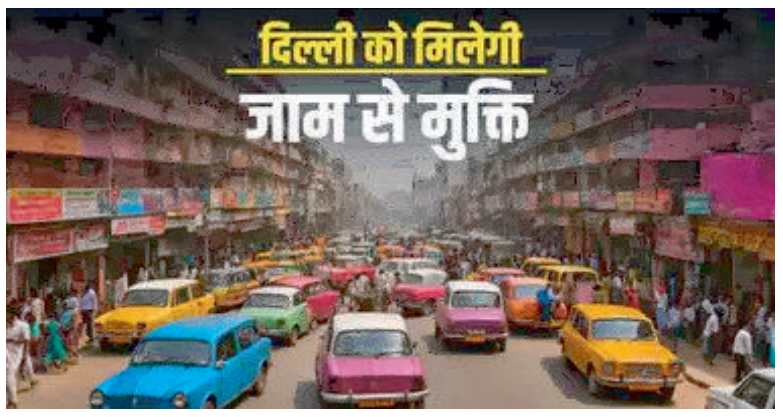

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर बसों का ब्रेक डाउन होने से अक्सर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से निपटना ट्रैफिक पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहती है।

दिल्ली की सड़कों पर जाम लगने का मुख्य कारण सड़क की क्षमता से अधिक गाड़ियों का दबाव, लेन अनुशासन का पालन न करना, रोड की स्थिति ठीक न होना और अवैध पार्किंग और बस ब्रेक डाउन भी सबसे कारण है।

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

इसी कड़ी में ट्रैफिक पुलिस ने अब डीटीसी के साथ मिलकर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देने की योजना बनाई है, ताकि ब्रेक डाउन हुई बसें ज्यादा समय तक सड़कों पर खड़ी न रहें। उन्हें जल्दी ठीक कर सड़क से हटाया जाए क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि सड़कों पर बस ब्रेक डाउन होने की वजह से घंटों-घंटों जाम लग जाता है।

एडिशनल सीपी ट्रैफिक सत्यवीर कटारा के मुताबिक, अनुमान है कि दिल्ली में हर दिन करीब 200 से 250 बसें ब्रेक डाउन होती हैं। इस कारण अलग-अलग इलाकों में बसों के ब्रेक डाउन के कारण जाम जैसी समस्या हो जाती है।

यही कारण है कि पहले ब्रेक डाउन के बाद जहां बसें घंटों तक सड़क पर खड़ी रहती थीं अब उन्हें ठीक करके जल्द से जल्द सड़क से हटा दिया जाएगा, जिससे जाम की समस्या से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

इन बसों पर अधिक दबाव होता है जबकि इन्हें मैकेनिक द्वारा ठीक करने के बाद ही सड़क से हटाया जा सकता है। अब प्रशिक्षण ले चुके ट्रैफिक पुलिसकर्मी ब्रेक डाउन बसों को तुरंत साइड लगवाकर दबाव कम करेंगे और जाम की स्थिति नहीं बनने देंगे।

डीटीसी के साथ मिलकर बनाया ब्रेक डाउन ग्रुप

सड़कों पर खराब बसों की समस्या को दूर करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने डीटीसी के साथ मिलकर एक ब्रेक डाउन ग्रुप बनाया है। इस ग्रुप में ट्रैफिक पुलिस और डीटीसी के स्टाफ को जोड़ा गया है। ताकि अगर कोई बस का ब्रेक डाउन हो जाए तो तुरंत उसकी सूचना ग्रुप पर दी जाए और जल्द से जल्द बस को ठीक कर वहां से हटा दिया जाए ताकि जाम वाली नौबत न बन सके।

हर सर्किल में दो टीआई को दिया जाएगा प्रशिक्षण

बस ब्रेक डाउन की स्थिति से निपटने के लिए हर सर्किल में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका पहला बैच अगले सप्ताह से शुरू होना है। प्रशिक्षण ले चुके पुलिसकर्मी सड़कों पर खड़ी खराब बसों को हटाने और जाम की समस्या से निपटने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अन्य एजेंसियों से भी ली जा रही मदद

सड़कों की स्थिति ठीक न होना भी जाम लगने का मुख्य कारण है। ऐसे में जहां-जहां सड़कों की स्थिति ठीक नहीं है उसे ठीक करने के लिए कई एजेंसियों के इंजीनियरों से मदद ली जा रही है। इन एजेंसियों में दिल्ली नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली मेट्रो, एनएचएआइ के इंजीनियर शामिल हैं।

सदन द्वारा प्रस्तावित दिल्ली नगर निगम की धारा 74 के अन्तर्गत प्रस्ताव

परिवहन विशेष न्यूज

चूंकि, दिल्ली नगर निगम को अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले सभी रिहायशी एवं व्यवसायिक भवनों से सम्पति कर वसूलने का अधिकार है एवं प्रत्येक वर्ष दिल्ली नगर निगम द्वारा सम्पति कर की दरें निर्धारित की जाती है। ये दरें जनहित एवं निगम को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाती है तथा दिल्ली की जनता को बेहतर सुविधाएं एवं सहूलियतें प्रदान करने के लिए दिल्ली नगर निगम हमेशा प्रतिबद्ध है।

चूंकि वर्तमान समय में मंहगाई दर अपने चरम पर है जिसके कारण दिल्ली की जनता भी इस मंहगाई से बुरी तरह त्रस्त है, विशेषकर मध्यम व निम्न आय वर्ग के लोगों पर केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न रूपों में करों का बोझ जनता पर डाला गया है।

अतः दिल्ली की स्थानीय जनता जिनमे मध्यम एवं निम्न आय वर्ग मुख्य हैं उन्हें करों के बोझ से कुछ राहत देने हेतु निगम सदन की इस बैठक में यह प्रस्तावित किया जाता है कि

1. वित्तीय वर्ष 2024-25 के वर्तमान सभी श्रेणियों में सम्पत्ति कर के भुगतान करने पर पिछला सभी बकाया कर माफ किया जाता है।
2. 100 गज से 500 गज क्षेत्रफल के सभी रिहायशी भवनों के सम्पत्ति करों की दरों को आधा किया जाता है।
3. चूंकि दिल्ली क्षेत्र में मध्यम व निम्न आय वर्ग के निवासी 100 गज या उससे कम क्षेत्रफल के मकानों में रहते हैं। अतः उक्त श्रेणी के सभी रिहायशी भवनों का सम्पत्ति कर माफ किया जाता है।
4. रिहायशी मकानों (100 गज से कम) जिनमें दुकानें चल रही है उनको भी व्यावसायिक सम्पत्ति कर से मुक्त किया जाता है।
5. दिल्ली के अन्तर्गत 1300 से ज्यादा हाउसिंग अपार्टमेन्ट है जिनके मालिकों को गृह कर की किसी भी स्कीम में काई फायदा नहीं मिला एवं आने वाले वर्षों में सभी सम्पत्ति के मालिकों को गृह कर में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

अतः निगम की यह सभा उपरोक्त प्रस्ताव को संकल्प करती है तथा आयुक्त महोदय को निर्देशित करती है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए आम माफी योजना (एमनेस्टी स्कीम) का प्रावधान किया जाए।

Place on Table
प्रस्तावक
PARVEEN KUMAR
MAHESH KUMAR
MAYOR Municipal Corporation of Delhi
अनुमोदक
DR. SMELLY OBEROZ
WARD-16

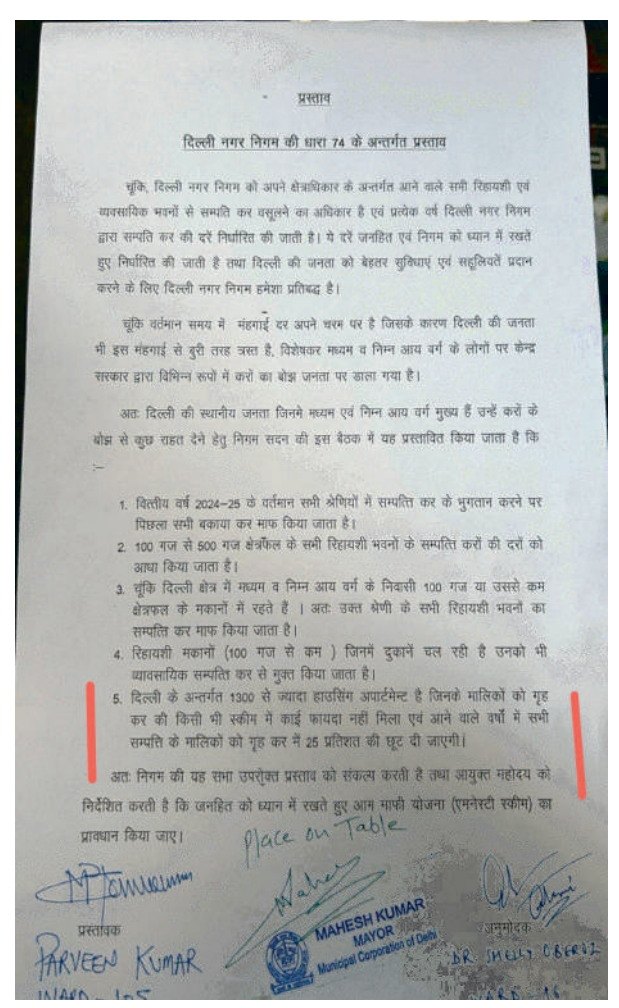
प्रस्ताव

दिल्ली नगर निगम की धारा 74 के अन्तर्गत प्रस्ताव

चूंकि, दिल्ली नगर निगम को अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले सभी रिहायशी एवं व्यवसायिक भवनों से सम्पति कर वसूलने का अधिकार है एवं प्रत्येक वर्ष दिल्ली नगर निगम द्वारा सम्पति कर की दरें निर्धारित की जाती है। ये दरें जनहित एवं निगम को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाती है तथा दिल्ली की जनता को बेहतर सुविधाएं एवं सहूलियतें प्रदान करने के लिए दिल्ली नगर निगम हमेशा प्रतिबद्ध है।

चूंकि वर्तमान समय में मंहगाई दर अपने चरम पर है जिसके कारण दिल्ली की जनता भी इस मंहगाई से बुरी तरह त्रस्त है, विशेषकर मध्यम व निम्न आय वर्ग के लोगों पर केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न रूपों में करों का बोझ जनता पर डाला गया है।

अतः दिल्ली की स्थानीय जनता जिनमे मध्यम एवं निम्न आय वर्ग मुख्य हैं उन्हें करों के बोझ से कुछ राहत देने हेतु निगम सदन की इस बैठक में यह प्रस्तावित किया जाता है कि

1. वित्तीय वर्ष 2024-25 के वर्तमान सभी श्रेणियों में सम्पत्ति कर के भुगतान करने पर पिछला सभी बकाया कर माफ किया जाता है।
2. 100 गज से 500 गज क्षेत्रफल के सभी रिहायशी भवनों के सम्पत्ति करों की दरों को आधा किया जाता है।
3. चूंकि दिल्ली क्षेत्र में मध्यम व निम्न आय वर्ग के निवासी 100 गज या उससे कम क्षेत्रफल के मकानों में रहते हैं। अतः उक्त श्रेणी के सभी रिहायशी भवनों का सम्पत्ति कर माफ किया जाता है।
4. रिहायशी मकानों (100 गज से कम) जिनमें दुकानें चल रही है उनको भी व्यावसायिक सम्पत्ति कर से मुक्त किया जाता है।
5. दिल्ली के अन्तर्गत 1300 से ज्यादा हाउसिंग अपार्टमेन्ट है जिनके मालिकों को गृह कर की किसी भी स्कीम में काई फायदा नहीं मिला एवं आने वाले वर्षों में सभी सम्पत्ति के मालिकों को गृह कर में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

अतः निगम की यह सभा उपरोक्त प्रस्ताव को संकल्प करती है तथा आयुक्त महोदय को निर्देशित करती है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए आम माफी योजना (एमनेस्टी स्कीम) का प्रावधान किया जाए।

Place on Table

MAHESH KUMAR
MAYOR
Municipal Corporation of Delhi

प्रस्तावक
PARVEEN KUMAR

अनुमोदक
DR. SMELLY OBEROZ

सड़क सुरक्षा व दुघर्टनाओं को रोकने के लिए ईमानदारी का साथ जरूरी है

सड़क निर्माण व सुरक्षा के प्रति सभी बिंदुओं पर ईमानदारी से पहल होना चाहिए।

घटिया निर्माण पर आलेख पढ़ा, सड़क सुरक्षा के प्रति जवाबदेही लोग ईमानदारी से अपना फ़र्ज़ अदा नहीं कर रहे हैं। इस लिए बढ़ती सड़क दुघर्टना का बोलबाला हो रहा है। बेकसूर लोग काल के मूंह में जा रहे हैं। सड़क निर्माण में घटिया निर्माण सम्रागी और सड़क के निमार्ण व देखभाल में लगे अधिकारियों व इंजीनियर की लालच व घोटलों से दुघर्टनाओं की संख्या दिन पे दिन बढ़ती जा रही है। जब सभी को मालूम हो जाता है कि हाईवे रोड़ पर कहां कहां ऐसे स्पाट है जहां सब से ज्यादा दुर्घटनाएं होती है वह उस परेशानी को ठीक क्यों नहीं करते कि उस क्षेत्र में सड़क दुघर्टना ना हो। इस की जवाबदेही सिर्फ वाहन चालक की नहीं है इसलिए सड़क सुरक्षा के लिए लगें सभी लोग जिम्मेदार है जो दुघर्टनाओं को रोकने में असफल है। बड़े छोटे वाहन चालक भी गाड़ी चलते वक्त रफ्तार पर ब्रेक लगा कर चले ज्यादा आत्मविश्वास लापारवाही को आमंत्रित करता है वाहन चालक को सभी नियमों का ख्याल रखना चाहिए तभी भारत जो सड़क दुघर्टना में अव्वल है इससे निजात मिले। जान है तो जहान है फिर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के साथ साथ भष्टाचार में लिप्त जो भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं उन्हें ईमानदारी का पाठ पढ़ना चाहिए। दोषपूर्ण सड़क डिजाइन करने वाले अगर नहीं ध्यान देते तो कारवाई जरूरी है। नशें में वाहन चलाने वाले ओवरटेक करने वालों पर नकेल कसने का समय आ गया है और अगर यह नहीं माने तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। सड़क सुरक्षा व दुघर्टनाओं को रोकने के लिए सभी एकजुट होकर काम करें। इस विषय की गंभीरता को पहचान बहुत जरूरी है। जब किसी परिवार का कोई सदस्य सड़क दुघर्टना में दुनिया से चला जाता है तो उसका अगर पूरे परिवार पर पढ़ता है। वहीं दुघर्टना में सिर की चोट लगी हो या हाथ पैर की क्षति हो जाये तो जीवन भर की परेशानी हो जाती है। वाहन चलाने में जल्दबाजी ज़िन्दगी के लिए खतारनाक है। जान जोखिम में डालकर युवा पीढ़ी अपने आप का नुक़सान कर रही है। वहीं सड़क निर्माण व सुरक्षा में लगे मंत्रालय व यातायात व्यवस्था में लगे सभी को चहिए की अपने काम में बेमानी को नहीं आने देवें। सड़क सुरक्षा के लिए हम सभी जिताने जिम्मेदारी से काम करेंगे तो बढ़ती दुघर्टनाओं से हम सभी को निजात मिलेगी। ईमानदारी से सभी अपना फ़र्ज़ निभायें।

हरिहर सिंह चौहान

कोलकाता के बाद अब चेन्नई एयरपोर्ट पर भी खुला उड़ान यात्री कैफे

मुख्य संवाददाता /सुषमा रानी

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के एयरपोर्ट्स पर महंगे खानपान का मुद्दा उठाने के बाद सरकार ने कोलकाता के बाद अब चेन्नई में भी उड़ान यात्री कैफे शुरू करने का फैसला लिया था। इसकी पहली शुरुआत कोलकाता एयरपोर्ट से हुई थी, और अब चेन्नई एयरपोर्ट भी इस पहल में शामिल हो गया है। इससे यात्रियों को सस्ती दरों पर पानी, चाय और स्नैक्स मिलने लगे हैं, जिससे उन्हें राहत मिलेगी।

सांसद राघव चड्ढा ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई है और इस मुहिम के लिए आम जनता के समर्थन पर धन्यवाद व्यक्त किया है। सांसद राघव चड्ढा ने अपने X (ट्विटर) सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, ₹एक छोटी सी चिंगारी भी अंधकार को रोशन कर सकती है पहले कोलकाता, अब चेन्नई! खुशी है कि एयरपोर्ट्स पर सस्ती कैंटीन शुरू की जा रही हैं। इस मांग को समर्थन देने वाले सभी लोगों का आभार। हर छोटी कोशिश एक बड़ा बदलाव लाती है।

पानी की बोतल 100 रुपये में, चाय 200-250 रुपये में

पिछले साल संसद के शीतकालीन सत्र में राघव चड्ढा ने एयरपोर्ट्स पर महंगे खानपान का मुद्दा उठाया था। उन्होंने बताया था कि एयरपोर्ट्स पर एक पानी की बोतल 100 रुपये में, चाय 200-250 रुपये में और अन्य स्नैक्स बेहद महंगे दामों पर बेचे जाते हैं, जिससे आम यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सरकार से मांग की थी कि एयरपोर्ट्स पर किफायती कैंटीन शुरू की जाएं, ताकि हर वर्ग के लोग हवाई यात्रा के दौरान उचित दामों पर भोजन और चाय-काफी पी सकें।

सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और "उड़ान यात्री कैफे" की शुरुआत की। पहले यह कोलकाता एयरपोर्ट पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ, जहां अब सस्ते दामों पर पानी, चाय, कॉफी और स्नैक्स उपलब्ध हैं। वहीं, अब चेन्नई एयरपोर्ट भी इस पहल में शामिल हो गया है।

सांसद राघव चड्ढा ने संसद में कहा था, ₹सरकार ने वादा किया था कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज से यात्रा कर सकेगा, लेकिन हकीकत यह है कि बाटा के जूते पहनने वाला भी हवाई किराए और एयरपोर्ट्स के महंगे खानपान का खर्च वहन नहीं कर सकता।₹ उन्होंने संसद में इस बात पर ज़ोर दिया था कि हवाई यात्रा को सस्ता करने की बजाय, सरकार एयरपोर्ट्स पर महंगाई को बढ़ावा दे रही है।

यात्रियों की जीत – अब सस्ते में मिलेगा खाना

इस पहल के बाद यात्रियों को अब चाय-काफी के लिए ज्यादा रुपये खर्च नहीं करने पड़ेंगे। उड़ान यात्री कैफे₹ में अब पानी की बोतल, चाय, कॉफी और स्नैक्स आम कीमतों पर उपलब्ध होंगे। सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि इसे अन्य एयरपोर्ट्स पर भी लागू किया जाएगा, जिससे देशभर के यात्रियों को फायदा होगा।

संसद में छाया था राघव चड्ढा का भाषण

राघव चड्ढा के इस मुद्दे को उठाने के बाद सोशल मीडिया पर भी उनकी जमकर सराहना हुई थी। कई लोगों ने इसे यात्रियों के हक की लड़ाई बताया। लद्दाख से चुशुल के काउंसलर कोंचोक स्टेनजिन ने भी इसका समर्थन करते हुए कहा था, ₹लद्दाख के लोग सर्दियों में महंगे हवाई टिकटों से पहले ही परेशान हैं, अब एयरपोर्ट पर महंगे खाने ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। राघव चड्ढा का यह प्रयास सराहनीय है।" राघव चड्ढा ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है, लेकिन यह भी कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने मांग की कि उड़ान यात्री कैफे को जल्द से जल्द दिल्ली समेत देश सभी बड़े और छोटे एयरपोर्ट्स पर लागू किया जाए, ताकि हर यात्री को इस सुविधा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा, मैं जनता की आवाज को संसद में उठाता रहूंगा। आपकी राय और सुझाव मेरे लिए महत्वपूर्ण हैं। हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं।"

ज्योतिषशास्त्र में तिथि, तिथि स्वामी और तिथियों की संज्ञाएँ और उनका महत्व ..

ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश पौराणिक (इंजी.)

ज्योतिष शास्त्र में जन्म कुंडली फलादेश, मुहूर्त आदि विचार में तिथियों का विशेष महत्व होता है। चंद्रमा की कुल सोलह कलाएं होती हैं। चंद्रमा की एक कला को तिथि माना गया है। इसका चंद्र और सूर्य के बीच के जो अंशो का अंतर है उस आधार पर तिथि मान निकाला जाता है। प्रतिदिन 12 अंशों का अंतर सूर्य और चंद्रमा के भ्रमण में होता है, यही अंतराश का मध्यम मान होता है। अमावस्या के बाद प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियां शुक्ल पक्ष की तथा पूर्णिमा के बाद प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक की तिथियां कृष्णपक्ष की होती है। इस प्रकार जब पूर्णिमा का अंत होता है तब चन्द्रमा की स्थिति सूर्य से ठीक 180 अंश आगे होती है, एवं अमावस्या के अंत में चन्द्रमा सूर्य से 360 अंश आगे हो जाता है। यदि तिथियों की गणना आरंभ की बात की जाए तो वह शुक्ल पक्ष के प्रतिपदा से आरंभ होती है।

तिथि व उनके स्वामी : प्रत्येक तिथि का अपना विशेष महत्व है तथा उस तिथि के एक विशेष स्वामी है जिनकी उक्त दिन पूजा करके उनसे शुभ फल आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। जैसे प्रतिपदा के स्वामी अग्नि, द्वितीया के ब्रम्हा, तृतीया की गौरी, चतुर्थी के गणेश,

पंचमी के शेषनाग, षष्ठी का कार्तिकेय, सप्तमी का सूर्य, अष्टमी के शिव, नवमी की दुर्गा, दशमी के काल, एकादशी के विश्वदेव, द्वादशी के विष्णु, त्रयोदशी के कामदेव, चतुर्दशी के शिव, पौर्णमासी के चंद्रमा तथा अमावस्या के स्वामी पितर देव है।

तिथियों की संज्ञाएं : प्रत्येक पक्ष में तिथियों को पांच भागों में विभक्त किया गया है। जिसमे क्रमशः सभी शुभ कार्य हेतु अधम, मध्यम और उत्तम माना है।

शुक्लपक्ष में :

संज्ञाएं	तिथियां	अधम	उत्तम	मध्यम
नन्दा	1,6,11	1	6	11
भद्रा	2,7,12	2	7	12
जया	3,8,13	3	8	13
रिक्ता	4,9,14	4	9	14
पूर्णा	5,10,15	5	10	15

कृष्ण पक्ष में :

संज्ञाएं	तिथियां	अधम	उत्तम	मध्यम
नन्दा	1,6,11	11	1	6
भद्रा	2,7,12	12	2	7
जया	3,8,13	13	3	8
रिक्ता	4,9,14	14	4	9
पूर्णा	5,10,15	15	5	10

यही तिथियाँ क्रम से शुक्र, बुध, मंगल, शनैश्चर, बृहस्पति इनके दिनों में हों, अर्थात शुक्र के दिन नन्दा, बुध के दिन भद्रा, मङ्गल के दिन जया, शनैश्चर के दिन रिक्ता और बृहस्पति के दिन पूर्णा हो तो किये हुए कार्य की सिद्धि करने वाली होती हैं। इस कारण इनका सिद्धा नाम भी है। इसके अलावा रविवार को नन्दा, सोमवार को भद्रा, मंगलवार को नन्दा, बुधवार को जया, बृहस्पतिवार को रिक्ता, शुक्रवार को भद्रा और शनैश्चरवार को पूर्णा मृतसंज्ञक होती है। इनमें कोई शुभ कार्य नही करना चाहिए।

फुलेरा दूज

फुलेरा दूज का त्योहार हर वर्ष फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। यह तिथि वर्ष 2025 में 1 मार्च को है। शुक्ल द्वितीया 1 मार्च की सुबह 3 बजकर 16 मिनट से शुरू हो जाएगी, इसलिए उदयातिथि की मान्यता के अनुसार फुलेरा दूज का पर्व 1 मार्च को ही मनाया जाएगा। यह दिन भगवान कृष्ण और राधा रानी के प्रेम को समर्पित है। धार्मिक मत के अनुसार इस दिन भगवान कृष्ण और राधा रानी ने फूलों की होली खेली थी।

फुलेरा दूज का शुभ मुर्हूत फुलेरा दूज 2025 का शुभ मुहूर्त वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 01 मार्च को देर रात 03 :16 बजे शुरू होगी और 02 मार्च को रात 12 :09 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, फुलेरा दूज 01 मार्च 2025 को मनाई जाएगी। इस दिन विवाह और शुभ कार्य बिना मुहूर्त के किए जा सकते हैं।

अबूझ मुहूर्त होता है फुलेरा दूज फुलेरा दूज को अबूझ मुहूर्त माना जाता है, जिससे यह तिथि शादी-विवाह के लिए बेहद शुभ होती है। इस दिन बड़ी संख्या में विवाह संपन्न होते हैं। पूरे माह में यह एक ऐसा दिन होता है जब बिना मुहूर्त देखे सभी मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं। इसके अलावा, यह तिथि विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश और वाहन खरीदने जैसे शुभ कार्यों के लिए भी उत्तम मानी जाती है।

फुलेरा दूज के दिन करें ये काम भगवान कृष्ण और राधा रानी के प्रेम को समर्पित फुलेरा दूज के दिन आपको विधि-विधान से राधा-कृष्ण की पूजा करनी चाहिए। इस दिन श्रीकृष्ण की पूजा में दूर्वा, अक्षत, खीर आदि अर्पित करना शुभ माना जाता है। इसके साथ ही राधा रानी और भगवान कृष्ण को इस दिन फूल भी अवश्य चढ़ाने चाहिए। अगर आपके घर में राधा कृष्ण की प्रतिमाएं हैं तो उन्हें रंग-बिरंगे वस्त्र इस दिन आपको पहनाने चाहिए। भगवान कृष्ण के प्रिय भोग माखन, मिश्री को भी पूजा में अवश्य शामिल करेंगे। राधा रानी को इस दिन श्रृंगार की सामग्री अर्पित करनी चाहिए। इसके साथ ही गुलाल भी राधा-कृष्ण को अर्पित करें। भगवान कृष्ण की प्रिय धेनु यानि गाय की भी इस दिन आपको सेवा करनी चाहिए। इस दिन व्रत रखने से और राधा-कृष्ण की पूजा करने से प्रेम और वैवाहिक संबंधों में निखार आता है। आप फुलेरा दूज के दिन अपने साथी को उपहार देते हैं तो स्नेह और प्रेम का बंधन मजबूत होता है।

फुलेरा दूज के दिन क्या न करें भगवान कृष्ण को समर्पित इस दिन आपको गलती से भी किसी के साथ बुरा व्यवहार नहीं करना चाहिए। भोजन से जुड़े नियमों का भी पालन आपको करना चाहिए और इस दिन मांस, मदिरा आदि तामसिक चीजों को ग्रहण नहीं करना चाहिए। किसी के प्रति भी इस दिन अपने दिल में बैर भाव न लाएं। इस दिन राधा-कृष्ण को अर्पित किए गए प्रसाद, गुलाल, फूल को गलती से भी किसी के भी पैरों के नीचे न आने दें।

फुलेरा दूज के दिन पूजा करने की विधि इस दिन प्रात: जल्दी उठकर स्नान और ध्यान करना आवश्यक है. इसके पश्चात सूर्य देव को जल अर्पित करना चाहिए। फिर घर के पूजा स्थल या किसी राधा-कृष्ण मंदिर में जाकर जल से राधा-कृष्ण का अभिषेक करना चाहिए। इसके बाद चौकी पर राधा-कृष्ण जी को स्थापित कर उन पर पुष्पों की वर्षा करनी चाहिए। और दीप जलाना चाहिए। इसके उपरांत राधा-कृष्ण के मंत्रों का जप और आरती करनी चाहिए। तत्पश्चात नैवेद्य, धूप, फल, और अक्षत आदि का अर्पण करना चाहिए। माखन, मिश्री, और खीर का भोग भी लगाया जा सकता है। अंत में प्रसाद का वितरण करके पूजा को समाप्त करना चाहिए।

होली के स्वागत का पर्व फुलेरा दूज केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि यह होली के रंगों और उत्साह की पहली झलक प्रस्तुत करता है। इस दिन से घरों और मंदिरों में विशेष तैयारियों की शुरुआत होती है। गांवों में महिलाएं गाय के गोबर से बनी उपलियों (गुलरियों) को बनाकर सुखाती हैं, जिन्हें बाद में होलिका दहन में अर्पित किया जाता है।

मिटाए भरम अज्ञान

सौभाग्यवान है इंसान,
अब तो खुद को पहचान।
युगों युगों से वेद कुरान रचने वाले। इतिहास में हुए प्रसिद्ध, वही है तू महान।
सूरज चांद और सितारे, खगोल भूमंडल निहारे। मोटर इंजन रेल बनाकर, आज उड़ाए वायुयान।
डाक्टर, वकील इंजीनियर, बड़े बड़े मैनिस्टर। वैज्ञानिक तकनीकी में, अद्वितीय हुए इंसान।
मंदिर मस्जिद बनाकर, जड़ पिंड को पूजाकर। काशी, काबा चारो धाम, शीश झुकाते हैं जहान।
यारों अब तो बोध विचारे,
हरदम खुद ही को साकारे।
ज्ञानी संत गुरुजन,
मिटाए भरम भूल अज्ञान।

कटहल-ना सब्जी ना फल

कटहल सेहत के लिए सबसे बेहतर, कटहल खाने के 10 गुण

कटहल बड़ी रहस्यमयी सब्जी है। इसके सब्जी और फल होने पर भी कई मतभेद हैं। अगर आप कटहल को सिर्फ स्वाद में मांसाहार का शाकाहारी विकल्प मानकर खाते हैं तो इसके पोषक तत्वों के बारे में जानने के बाद इसका स्वाद आपको और बेहतर लगेगा। 100 ग्राम कटहल में 303 मिलीग्राम पोटैशियम, 24 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, सी और थाइमिन, 0.108 ग्राम विटामिन बी6, 37 ग्राम मैग्नीशियम, 94 कैलोरी, 14 एमसीजी फोलेट जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। आप इसके गुणकारी लाभ जानकर आजमाएं बिना नहीं रह सकते। सब्जी, अचार और पकौड़े के अलावा इसे तल कर भी खाया जाता है। आइए जानें इसके लाजवाब गुण

1. कटहल के अंदर कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जैसे, विटामिन ए, सी, थाइमिन, पोटैशियम, कैलशियम, राइबोफ्लेविन, आयरन, नियासिन और जिंक आदि। इसमें खूब सारा फाइबर पाया जाता है।

2. इसमें बिल्कुल भी कैलोरी नहीं होती है। पके हुए कटहल के पल्प को अच्छी तरह से मैश करके पानी में उबाला जाए और इस मिश्रण को ठंडा कर एक गिलास पीने से ताजगी आती है, यह दिल के रोगियों के लिये उपयोगी माना जाता है।

3. कटहल में पोटैशियम पाया जाता है जो कि दिल की हर समस्या को दूर करता है क्योंकि यह ब्लड प्रेशर को कम कर देता है।

4. इस रेशेदार फल में काफी आयरन पाया जाता है। यह एनीमिया दूर करता है। शरीर में रक्तसंचार बढ़ाता है।

5. इसकी जड़ अस्थमा के रोगियो के लिए लाभदायक मानी जाती है इसकी जड़ को पानी के साथ उबाल कर बचा हुआ पानी छान कर लेने से अस्थमा पर नियंत्रण होता है।

6. थायराइड के लिए भी कटहल उत्तम है इसमें मौजूद सूक्ष्म खनिज और कॉपर थायराइड चयापचय के लिये प्रभावशाली होता है।

7. हड्डियों के लिए यह फल बहुत गुणकारी होता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डी में मजबूती लाता है तथा भविष्य में ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या से बचाता है।

8. इसमें विटामिन सी और ए पाया जाता है अतः रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में इसका कोई सानी नहीं है। यहां तक कि यह बैक्टेरियल और वाइरल इंफेक्शन से बचाता है।

9. कटहल अल्सर और पाचन संबंधी समस्या को दूर करता है। कब्ज की समस्या को दूर करने में भी इसका जवाब नहीं।

10. इसका स्वास्थ्य लाभ आंखों तथा त्वचा पर स्पष्ट देखने को मिलता है। इस फल में विटामिन ए पाया जाता है जिससे आंखों की रोशनी बढ़ती है और त्वचा निखरती है।

क्या आप जानते हैं कि धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की मृत्यु का बदला कैसे लिया गया और किसने लिया?

छत्रपति संभाजी की हत्या के बाद औरंगजेब के सेनापति जुल्फिकार खान ने रायगढ़ पर कब्जा कर छत्रपति संभाजी की पत्नी येसु बाई और उनके पुत्र को भी कैद कर लिया जिसके बाद छत्रपति संभाजी महाराज के छोटे भाई राजाराम जी महाराज छत्रपति के पद पर विभूषित हुए।

छत्रपति संभाजी महाराज को औरंगजेब ने 40 दिनों तक भयंकर यातनाएं देकर मारा था। इस हाहाकारी मृत्यु ने मराठों के सीनों में आग लगा दी। उनके सारे मतभेद खत्म हो गए और सिर्फ एक ही लक्ष्य रह गया राक्षस औरंगजेब का सर्वनाश।

संगमेश्वर के किले में जब शूरवीर छत्रपति संभाजी अपने 200 साथियों के साथ औरंगजेब के सिपहसालार मुकर्रम खान के 10 हजार मुगल सिपाहियों के साथ जंग लड़ रहे थे, उस समय छत्रपति संभाजी के साथ एक और बहादुर योद्धा अपनी जान की बाजी लगा रहा था जिसका नाम था माल्होजी घोरपड़े। छत्रपति संभाजी के साथ लड़ते हुए माल्होजी घोरपड़े भी वीरगति को प्राप्त हो गए और माल्होजी घोरपड़े के पुत्र संताजी घोरपड़े ने ही अपने युद्ध अभियानों से औरंगजेब की नाक काट डाली और औरंगजेब को इतिहास में भगोड़ा भी साबित कर दिया।

संताजी घोरपड़े के साथ एक और वीर मराठा ने दिया जिसका नाम था धना जी जाधव। औरंगजेब को यकीन था कि छत्रपति संभाजी की हत्या के बाद मराठों का मनोबल टूट जाएगा लेकिन वो उस समय हैरान हो गया जब तुलापुर में अचानक संताजी और धनाजी ने हमला कर दिया। औरंगजेब लाखों की सेना के साथ महाराष्ट्र के तुलापुर नाम की जगह पर अपना डेरा डाले बैठा हुआ था।

यह वही जगह थी जहां पर औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज की क्रूरता से हत्या की थी। गुरिल्ला युद्ध में पारंगत संताजी 2000 मराठा सैनिकों के साथ औरंगजेब की सेना पर खूंखार शेर की तरह टूट पड़े। संताजी ने अपने साथियों के साथ गाजर मूली की तरह मुगलों को काटना शुरू कर दिया।

इस युद्ध का वर्णन करते हुए मुगलिया इतिहासकार काफी खान लिखता है कि तुलापुर की जंग के बाद संताजी की दहशत मुगलिया सैनिकों के दिलों में घर कर गई थी। संताजी के सामने पड़ने वाला मुगलिया सैनिक या तो मार दिया जाता या कैद हो जाता। आखिर में हालत ये हो गए कि संताजी का नाम सुनते ही मुगल सेना में भगदड़ मच जाती थी।

तुलापुर में संताजी के मराठों के अचानक हमले से मुगल जोर-जोर से चिल्लाने लगे हुजूर मराठे आ गए। एक तरफ पूरी मुगल सेना औरंगजेब की जान बचाने की कोशिश में लगी हुई थी तो दूसरी तरफ मराठे मुगलियों लाशों के ढेर लगा रहे थे।

मराठे मुगल छावनी के अंदर घुस गए। इतना

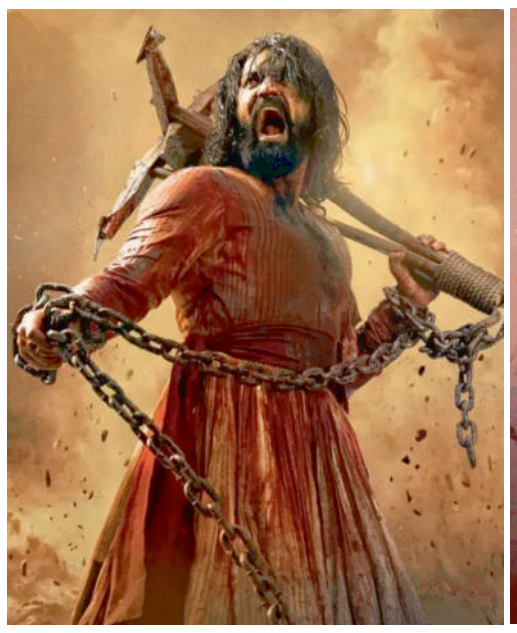

कत्लेआम हुआ कि औरंगजेब अपनी जान बचाकर भागा। औरंगजेब की जान बच गई लेकिन पूरे मुगल साम्राज्य की नाक कट गई और औरंगजेब पर भगोड़े का ठप्पा लग गया। मराठे औरंगजेब के कैंप के ऊपर लगे दो सोने के कलश काटकर सिंहगढ़ किले को लौट आए।

अगले दिन जब सुबह हुई तो औरंगजेब मुगलों की मौत का मंजर देखकर हैरान रह गया और कहने लगा या अल्लाह किस मिट्टी के बने हैं ये मराठे यह ना थकते हैं ना झुकते हैं ना पीछे हटते हैं इन्हें मिटाते-मिटाते कहीं हम ना मिट जाएं औरंगजेब इस दुःख भरे हादसे से पूरी उम्र बाहर ही नहीं आ पाया था।

इस घटना के दो दिन बाद ही संता जी ने रायगढ़ किले पर हमला बोल दिया। छत्रपति संभाजी की पत्नी येसुबाई को कैद करने वाले मुगल सरदार जुल्फिकार खान ने यहां पहले ही घेरा बनाया हुआ था।

मराठों ने जुल्फिकार खान की सेना को काटकर रायगढ़ किले पर भी कत्लेआम मचा दिया और मुगलों का बेश कीमती खजाना घोड़े और पांच हाथी अपने साथ पकड़कर पन्हाला लेकर आए। इस तरह कई गोरिल्ला युद्धों ने मुगल सेना का मनोबल तोड़ कर रख दिया।

मराठों को जब भी मौके मिलता वो मुगल सेना को चीर के रख देते। अब बारी मुकर्रम खान की थी। जिसने छत्रपति संभाजी महाराज को छल और धोखे से कैद किया था। 50 हजार रुपए ईनाम देते हुए, मुकर्रम खान को औरंगजेब ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर और कोकण प्रांत का सूबेदार नियुक्त किया था।

मराठों ने यह प्रण लिया था कि चाहे कुछ भी हो जाए पर उस मुकर्रम खान को जिंदा नहीं छोड़ना है और दिसंबर सन 1689 को मराठों ने मुकर्रम खान की विशाल सेना को घेरकर मुगलों को भिंडी की तरह तोड़ना शुरू कर दिया।

इस घनघोर युद्ध में अब संताजी घोरपड़े ने मुकर्रम खान को दौड़ा दौड़ा कर मारा। खून से लथपथ पड़े मुकर्रम खान की ये दुर्दशा देखकर मुगल सेना उसे जंगलों में लेकर भाग गई पर मराठों के दिए घावों ने जंगल में तड़पा तड़पा कर मुकर्रम खान की जान ले ली। मुकर्रम खान को मारकर मराठों ने छत्रपति संभाजी महाराज के मृत्यु का बदला लिया।

संताजी घोरपड़े के साहस और शौर्य पर खुश होकर सन 1691 को छत्रपति राजाराम महाराज ने उन्हें मराठा साम्राज्य का सरसेनापति घोषित किया। सर सेनापति बनते ही संताजी ने अपना पहला निशाना मुगल सल्तनत को बनाया और अपने साथ 15 से 20 हजार का मराठा लश्कर लेकर औरंगजेब की मुगल सल्तनत में भयंकर तबाही मचा दी। कृष्णा नदी पार कर्नाटक जैसे एक के बाद एक मुगल इलाकों में मराठा साम्राज्य के जीत का डंका बजाया।

औरंगजेब मराठों के डर से सह्याद्री के पर्वतों में इधर से उधर भागता। लगातार 27 साल मराठों ने औरंगजेब को इतना घुमाया इतना दौड़ाया कि उसका जीना मुश्किल हो गया अंत में मराठों के हाथों हो रही लगातार मुगलों की पराजय के दुःख में वह नीच औरंगजेब तड़प तड़प कर महाराष्ट्र में ही मर गया।

जाने कुछ आवश्यक आध्यात्मिक बाते

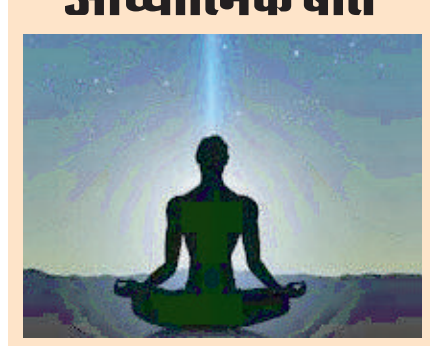

1. पांडव कुछ और नहीं बल्कि हमारे शारीर की ही पाँच इंद्रियाँ हैं - दृष्टि, गंध, स्वाद, स्पर्श और श्रवण। पांच पांडव पांच नीचे वाले चक्र हैं, मूलाधार से विशुद्ध चक्र तक।

2. कौरव कौरव हमारे सौ तरह के विकार हैं, जो आपकी इंद्रियों पर प्रतिदिन हमला करते हैं लेकिन आप उनसे लड़ सकते हैं और जीत भी सकते है। विकार रूपी कौरव अधर्मी एवं दुष्ट प्रकृति हैं।

3. कुरुक्षेत्र हमारा शरीर ही धर्म क्षेत्र कुरुक्षेत्र है।

4. धृतराष्ट्र अज्ञान से अंधा हुआ मन है

5. अर्जुन आप हो,

6. संजय आपके आध्यात्मिक गुरु हैं

7. कर्ण आपकी इंद्रियों का भाई है। वह इच्छा भी है। वह सांसारिक सुख के प्रति आपके राग का प्रतीक है। वह आप का ही एक हिस्सा है, लेकिन वह अपने प्रति अन्याय महसूस करता है और आपके विरोधी विकारों के साथ खड़ा दिखता है। और हर समय विकारों के विचारों के साथ खड़े रहने के कोई न कोई कारण और बहाना बनाता रहता है,

8. कृष्ण कृष्ण हमारे परमात्मा हैं। आपकी आंतरिक आवाज, आपकी आत्मा, आपका मार्गदर्शक प्रकाश हैं,

9. भीष्म हमारे अहंकार का प्रतीक हैं,

10. अश्वत्थामा हमारी वासनाएं, इच्छाएं हैं जो कि जल्दी नहीं मरतीं।

11. दुर्योधन हमारी सांसारिक वासनाओं, इच्छाओं का प्रतीक है।

12. द्रोणाचार्य हमारे संस्कार हैं।

13. जयद्रथ हमारे शरीर के प्रति राग का प्रतीक है

14. द्रोपदी कुंडलिनी शक्ति है, वह जागृत शक्ति है जिसके ५ पति ५ चक्र हैं।

15. ॐ ओम शब्द कृष्ण का पांचजन्य शंखनाद है, जो मुझ और आप आत्मा को ढ़ाढ़स बंधाता है कि चिंता मत कर मैं तेरे साथ हूं, अपनी बुराइयों पर विजय पा, अपने निम्न विचारों, निम्न इच्छाओं, सांसारिक इच्छाओं, अपने आंतरिक शत्रुओं यानि कौरवों से लड़ाई कर अर्थात अपनी मेटेरियलिस्टिक वासनाओं को त्याग कर और चैतन्य पाठ पर आरूढ़ हो जा।

श्री कृष्ण ७२००० नाड़ियों में भगवान की चैतन्य शक्ति है और चैतन्य शक्ति जागृत होते ही हमें पता चल जाता है कि "मैं चैतन्यता, आत्मा, जागृति हूं ना की अन्न से बना शरीर"।

कैग रिपोर्ट ने खोली दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं की पोल, जानिए क्या-क्या हुआ खुलासा ?

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा में शुक्रवार को दोपहर 2 बजे आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान पेंडिंग स्वास्थ्य विभाग की CAG रिपोर्ट पेश टेबल की गई. इस रिपोर्ट में दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति उजागर की गई है. सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए बेड की संख्या को बढ़ाने में सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई. मेडिकल उपकरण और डॉक्टरों की सभी अस्पतालों में भारी कमी की बात कही गई है. नए अस्पतालों के निर्माण में 5 से 6 साल की देरी होने की बात कही गई है. मरीजों को इलाज के लिए एक-एक साल तक इंतजार करना पड़ रहा है. इसके अलावा, रिपोर्ट में और क्या बताया गया है, यहां जानें...

विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट रखने से पहले विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह रिपोर्ट काफी अहम है. इसे पेश करने का अधिकार विधानसभा के सदस्य को है. ऐसे में अगर कोई मीडिया रिपोर्ट पब्लिश करती है तो ऐसा नहीं होना चाहिए. अगर किसी सदस्य ने इस संबंध में कोई शिकायत की तो फिर उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई भी की जा सकती है. जिस पर विधायक अभय वर्मा ने कहा कि अब यह रिपोर्ट आम आदमी पार्टी वाले ही जानबूझकर लीक कर रहे हैं, इसकी जांच होनी चाहिए.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोपहर सवा तीन बजे सदन पटल पर दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सीएजी की पेंडिंग रिपोर्ट को प्रस्तुत किया. जिनमें दिल्ली की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति बताई गई है. अब नई सरकार के सामने इन सेवाओं को बेहतर बनाने की भी एक नई चुनौती है. दिल्ली सरकार की एंबुलेंस बिना आवश्यक सुविधाओं के चल रही है. 21 मोहल्ला क्लीनिक में शौचालय ही नहीं है. 15 मोहल्ला क्लिनिक में पॉवर बैकअप नहीं है और 6 मोहल्ला क्लिनिक के पास चेकअप के लिए मेज़ तक नहीं है.

कोविड के दौरान बरती गई लापरवाही: सीएजी की रिपोर्ट में दिए गए तथ्यों के आधार पर बीजेपी विधायक हरीश खुराना ने कहा कि

कोविड की बीमारी के दौरान 787 करोड़ भारत सरकार की ओर से जारी किया गया था. दिल्ली सरकार ने खर्च केवल 582 करोड़ किया. यहां तक की महामारी से लड़ने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों तक को देने वाले पैसे 52 करोड़ में से 30 करोड़ ही खर्च कर पाई. दवाइयों और पीपीई किट के लिए 119 करोड़ जारी किए गए लेकिन खर्च महज 83 करोड़ ही हुए.

पांच साल में 32 हज़ार की जगह 1357 बेड बढ़े: दिल्ली सरकार को 2016 से 2021 तक सभी सरकारी अस्पतालों को मिलाकर मरीजों के लिए बेड की संख्या 32,000 करनी थी. लेकिन उस अवधि के दौरान सभी अस्पतालों को मिलाकर 1357 बेड ही बढ़ा पाए. इसके चलते या तो एक बेड पर कई मरीज़ों का इलाज हुआ या फिर उनका फर्श पर इलाज हुआ.

सिर्फ तीन नए अस्पताल का हुआ निर्माण: सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली सरकार 2016-21 की अवधि में सिर्फ तीन नए अस्पताल बना पाई या उनका आधारभूत ढाँचा बढ़ाया गया. हालांकि इन अस्पतालों को भी पहली की सरकारों ने शुरू करवाया था. इंदिरा गांधी अस्पताल, बुराड़ी अस्पताल और मौलाना आजाद डेंटल हॉस्पिटल की लागत छह साल विलंब होने से बढ़ गई.

स्वास्थ्य विभाग में नहीं भरे गए रिक्त पद: सीएजी रिपोर्ट का ज़िक्र करते हुए बीजेपी विधायक अजय महावर ने कहा कि दिल्ली के स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े पैमाने पर रिक्त पद भरे नहीं गए, जिससे आधारभूत ढाँचा ख़राब हुआ. इसी तरह दिल्ली के अस्पताल मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में, लोक नायक अस्पताल में, राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भी पद ख़ाली रह गए. पद ख़ाली होने से मरीज़ों के इलाज में देरी होने लगी. सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी और जलने वाली सर्जरी में लोकनायक जय प्रकाश जैसे अस्पताल में 12 महीने की वेटिंग है. जबकि बच्चों की सर्जरी में साल भर की वेटिंग चाचा नेहरु बाल चिकित्सालय में है.

बता दें कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य संरचना और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर 31.03.2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए जीएनसीटीडी अधिनियम, 1991 की धारा 48 के अंतर्गत दिल्ली के उपराज्यपाल को दिल्ली विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत की है. यह रिपोर्ट दिल्ली विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए जीएनसीटीडी अधिनियम, 1991 की धारा 48 के तहत तैयार की गई है और इसे भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के निष्पादन लेखा परीक्षा दिशानिर्देश, 2014 और लेखा परीक्षा और लेखा विनियमन, 2020 के अनुसार सीएजी द्वारा तैयार किया गया है. इस रिपोर्ट में 2016-2017 से 2020-21 तक की अवधि को कवर करते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन के निष्पादन लेखापरीक्षा के परिणाम शामिल हैं, उपलब्ध कराए गए डेटा को 2021-22 तक अद्यतन किया गया है.

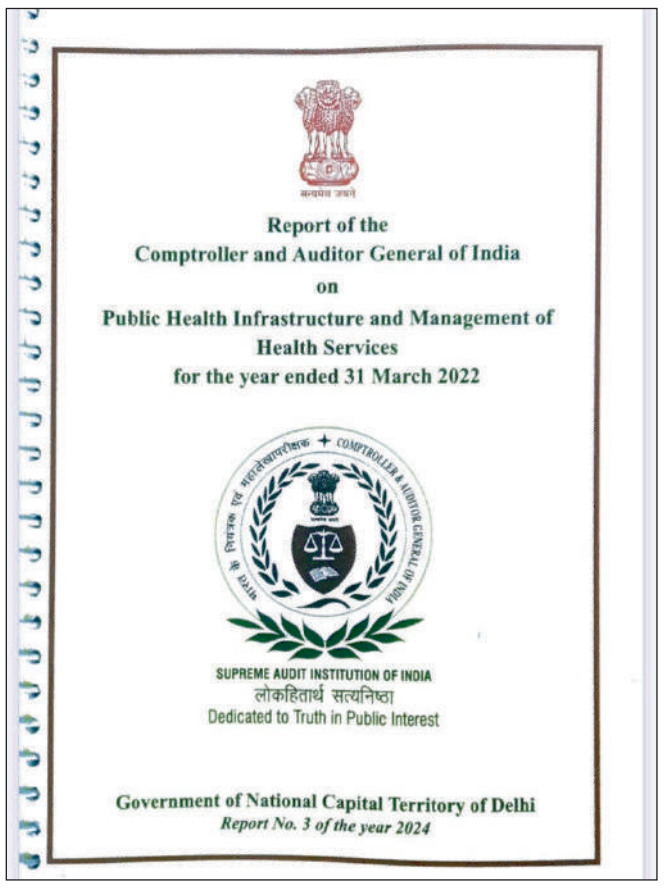
Report of the
Comptroller and Auditor General of India
on
Public Health Infrastructure and Management of
Health Services
for the year ended 31 March 2022

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

Government of National Capital Territory of Delhi
Report No. 3 of the year 2024

विधानसभा में आप विधायकों की एंट्री पर रोक को लेकर आतिशी ने स्पीकर को लिखा पत्र

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान मंगलवार को हंगामा करने वाले आम आदमी पार्टी के 21 विधायकों की एंट्री पर रोक लगी हुई है. अब दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने स्पीकर को पत्र लिखा है और उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की बात कही है.

नेता विपक्ष आतिशी ने विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को पत्र में लिखा है कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता और समानता होती है. लेकिन, बीते दिनों में जो कुछ भी दिल्ली विधानसभा में हुआ, वह केवल विपक्ष के विधायकों के साथ अन्याय ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी कड़ा प्रहार है. मंगलवार, 25 फरवरी को उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए, जबकि विपक्षी विधायकों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के विचारों का सम्मान करते हुए 'जय भीम' के नारे लगाए.

21 विधायकों का निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण: पत्र में लिखा है, यह

बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्ता पक्ष के किसी भी विधायक पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन विपक्ष के 21 विधायकों को मात्न 'जय भीम' का नारा लगाने पर सदन से 3 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया. यह अन्याय यहीं नहीं रुका, कल जब निलंबित विधायक लोकतांत्रिक तरीके से विधानसभा परिसर में मौजूद गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने जा रहे थे, तो उन्हें विधानसभा परिसर में दाखिल होने से ही रोक दिया गया.

केवल विधायकों का नहीं, बल्कि जनादेश का अपमान: उन्होंने लिखा, यह केवल विधायकों का ही नहीं, बल्कि जनता द्वारा दिए गए जनादेश का भी अपमान है. हमने देश की संसद में भी यह परंपरा देखी है कि जब किसी सांसद को सदन से निलंबित किया जाता है, तो उन्हें संसद परिसर में जाकर गांधी प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन करने की अनुमति होती है. यह एक संवैधानिक परंपरा रही है, जिसे आज तक किसी ने नहीं तोड़ा. लेकिन दिल्ली विधानसभा में यह पहली बार हुआ है कि चुने गए विधायकों को विधानसभा परिसर में घुसने तक नहीं दिया गया.

निलंबित विधायकों को विधानसभा गेट पर एंट्री से रोका: पत्र में आतिशी ने कहा है कि उसमें कहीं भी यह नहीं लिखा कि निलंबित विधायक विधानसभा गेट में प्रवेश नहीं कर सकते या गांधी और अंबेडकर की प्रतिमा तक नहीं जा सकते. ऐसे में यह स्पष्ट है कि यह निर्णय केवल विपक्ष को दबाने और उनकी आवाज को कुचलने के लिए लिया गया. हमारा संविधान हमें यह अधिकार देता है कि हम लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ उठा सकें. लेकिन अगर विपक्ष की आवाज को ही दबा दिया जाएगा, अगर विधायकों को जनता के सवाल सदन के अंदर और बाहर उठाने से रोका जाएगा, तो फिर लोकतंत्र बचेगा कैसे ?

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने की स्पीकर से अपील: पत्र के अंत मे आतिशी ने लिख कि आप इस विधानसभा के अभिभावक हैं. अभिभावक का कर्तव्य होता है कि वह सभी विधायकों के साथ समान न्याय करें, चाहे वह पक्ष के हों या विपक्ष के. लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि किसी भी विधायक को उसके संवैधानिक अधिकारों से वंचित न किया जाए. आतिशी ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी पत्र लिखकर उनसे इस संबंध में मिलने का समय मांगा थी.

दिल्ली में क्यों हारी आम आदमी पार्टी? समीक्षा बैठक में उम्मीदवारों ने बताई ये बड़ी वजह!

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय पर विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा की गई. इस बैठक में पार्टी के सभी उम्मीदवारों को बुलाया गया. बैठक में विस्तार से चर्चा की गई कि किस विधानसभा क्षेत्र में हार या जीत के प्रमुख कारण क्या रहे, जिसे भविष्य में सुधार किया जा सके. बैठक में दिल्ली विधानसभा से विधायकों को निलंबित करने का भी मुद्दा उठा. विधायक इस मुद्दे पर राष्ट्रपति से शिकायत करने के लिए राष्ट्रपति भवन की तरफ जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया.

हार-जीत के कारणों की गहन समीक्षा की: बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने अपनी-अपनी सीटों की समीक्षा प्रस्तुत करने के साथ यह समझने की कोशिश की कि किन कारणों से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा है. आम आदमी पार्टी के नेता जितेंद्र सिंह शंटी ने बैठक के बाद ईटीवी भारत से बातचीत में कहा, ₹दिल्ली विधानसभा चुनाव में यदि हम 48 सीटों पर हार गए हैं, तो हमें यह समझने की जरूरत है कि इसके पीछे की क्या वजह रही. इस बैठक में इन्हीं कारणों पर मंथन हुआ. उन्होंने बताया कि हर विधानसभा सीट पर हार के अलग-अलग कारण हो सकते हैं. कई जगहों पर पार्टी कार्यकर्ता सक्रिय नहीं थे, तो कुछ जगहों पर विपक्षी दलों द्वारा धन व प्रशासन का दुरुपयोग किया गया. इसके अलावा, कुछ स्थानों पर चुनाव के दौरान वोट कटवाकर नुकसान पहुंचाया गया है.

संगठन को मजबूत करने की बनी

रणनीति: इस समीक्षा बैठक में सभी उम्मीदवारों व विधायकों से फीडबैक लिया गया और संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए गए. जितेंद्र सिंह शंटी ने कहा कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि चुनावों के दौरान हम एक संगठित रणनीति अपनाने में कुछ कमजोर रह गए. दूसरी पार्टियों ने धन और प्रशासन का दुरुपयोग किया, जो हमारे लिए एक बड़ा मुद्दा रहा. इसके साथ ही धार्मिक पहलू भी इस चुनाव में प्रभावी रहे. शंटी ने माना कि 10 साल की सत्ता के दौरान कोई न कोई कमी निकलकर आती ही है. उन्होंने कहा कि कोई भी पार्टी हर मतदाता की सभी अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती. इसलिए हमें अपनी कमियों को समझकर आगे की रणनीति बनानी होगी.

शहदरा विधानसभा में खुद की हार के कारण बताए: जितेंद्र सिंह शंटी ने शहदरा विधानसभा से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा. उन्होंने हार के पीछे की वजहों पर चर्चा करते हुए कहा कि शहदरा एक पॉश इलाका है. मैं झुग्गी बस्तियों और अल्पसंख्यक इलाकों में नहीं हारा, बल्कि मिडिल क्लास, पाश इलाकों और युवाओं का समर्थन अपेक्षित रूप से नहीं मिला. उनका मोह हमसे भंग हो गया. हमें इनके लिए नई योजनाएं लानी होंगी, जिससे ये वर्ग हमारे साथ दोबारा जुड़ें. जिस तरीके से पंजाब में हम बेहतरीन योजनाएं लेकर आ रहे हैं, उसी तरह दिल्ली में भी नई योजनाओं पर विचार करना होगा.

सीएजी की रिपोर्ट पर दी प्रतिक्रिया: वित्तीय मामलों पर जारी सीएजी (नियंत्रक और महालेखा परीक्षक) की रिपोर्ट जितेंद्र सिंह शंटी ने कहा; "सीएजी की रिपोर्ट राजनीति का हिस्सा होती है. विपक्षी दल इसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करते हैं. जैसे उन्होंने महिलाओं को 2500 रुपए देने और बसों में मुफ्त सफर कराने का वादा किया था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि बसों पर हजारों करोड़ का बकाया है. ऐसी रिपोर्ट्स आती रहेंगी, लेकिन ये कोई अंतिम निर्णय नहीं होती."

यूपी के अपराधियों से दिल्ली में बढ़ा अपराध: दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आप नेता जितेंद्र सिंह शंटी ने कहा कि दिल्ली में अपराध बढ़ा है. यूपी में अपराधियों पर सख्ती हुई है, जिससे वे दिल्ली में आ गए. जब भी कोई बड़ा अपराध होता है, तो उसमें अक्सर यूपी के अपराधियों का हाथ होता है. अगर दिल्ली में कानून-व्यवस्था को बेहतर किया जाता है, तो यह सराहनीय है. उन्होंने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर महिलाएं और युवा सुरक्षित महसूस नहीं करते.

आप" अपने संगठन के पुनर्गठन के लिए प्रदेश, विधानसभा और सभी फ्रंटल विंग के पदाधिकारियों के साथ तीन बैठकें पहले ही कर चुकी है- गोपाल राय

सुषमा रानी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव में अच्छा काम करने वाले अपने पदाधिकारियों को ही संगठन में जिम्मेदारी देगी। शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में पूर्व मंत्री व दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों और चुनाव हारने वाले उम्मीदवारों के साथ हुई बैठक में यह अहम फैसला लिया गया है। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी अपने संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है। इसके मद्देनजर सबसे पहले हमने प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों के साथ बैठक की और उसके बाद सभी विधानसभा के पदाधिकारियों से मुलाकात की थी। जबकि तीसरे चरण में हमने पार्टी के सभी फ्रंटल विंग के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

गोपाल राय ने बताया कि शुक्रवार को हमने विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि हर विधानसभा को लेकर हमने विस्तृत चर्चा की है। चुनाव में किसकी क्या भूमिका रही, इस पर चर्चा हुई। जिन लोगों ने सकारात्मक भूमिका निभाई है, उन्हें संगठन के पुनर्गठन में जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, इस पर निर्णय लिया गया है।

स्वास्थ्य सुविधाओं पर कैग रिपोर्ट को लेकर भाजपा के बयानों पर गोपाल राय ने कहा कि ये लोग चुनाव से पहले भी यही बातें कर रहे थे और जब चुनाव जीतकर सरकार बना ली, तब भी यही बातें कर रहे हैं। लोगों ने इन्हें बात करने के लिए सदन में नहीं भेजा है, जनता ने इन्हें काम करने के लिए चुना है। आज बीस दिन हो गए, लेकिन भाजपा ने अब तक दिल्ली की जनता के लिए क्या काम

किया है, इसका कोई एजेंडा सामने नहीं आया। भाजपा ने वादा किया था कि पहली कैबिनेट की बैठक में महिलाओं को 2500 रुपये देने का प्रस्ताव पास किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सदन में पहली बैठक हुई, लेकिन उसमें भी इस पर कोई चर्चा नहीं हुई।

गोपाल राय ने कहा कि जहां तक कैग रिपोर्ट की बात है, ये लोग एक साथ सारी रिपोर्ट सदन में क्यों नहीं रखते? ये लोग जानबूझकर एक-एक करके रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहे हैं, क्योंकि इन्हें तमाशा करना है, काम नहीं करना है। इन्हें चर्चा भी एकतरफा करनी है, और चाहते हैं कि सदन में विपक्ष का कोई नेता मौजूद न हो। पहले हमारे विधायकों को एक दिन के लिए सदन से बाहर किया, फिर दो दिन सदन बढ़ाया और हमारे विधायकों को फिर बाहर कर दिया। तीसरे दिन हमारी एंट्री बैन कर दी। यह साफ दिख रहा है कि भाजपा गालियां देकर ही सरकार चलाना चाहती है, लेकिन लोगों ने उन्हें काम करने की जिम्मेदारी दी है, इसलिए उन्हें काम पर ध्यान देना चाहिए।

गोपाल राय ने कहा कि भाजपा सरकार के दबाव में विधानसभा स्पीकर तानाशाहीपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। सदन में उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए, लेकिन कोई सस्पेंड नहीं हुआ। वहीं, जब विपक्ष के आम आदमी पार्टी के विधायकों ने जय भीम के नारे लगाए तो उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। एक सदन में दो नियम नहीं हो सकते। विधानसभा अध्यक्ष भाजपा के दबाव में तानाशाही पूर्ण कार्रवाई कर रहे हैं।

कानून व्यवस्था के सवाल पर गोपाल राय ने कहा कि कल भी देश के गृह मंत्री अमित शाह के पास ही दिल्ली की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी थी और आज भी यह जिम्मेदारी उन्हीं के हाथों में है। पुलिस और अन्य प्राधिकरण उनके अधीन हैं। ऐसे में, भाजपा यह बताने में विफल रही है कि अब तक दिल्ली की कानून व्यवस्था को क्यों नहीं सुधार पाए और अब कैसे सुधारेंगे। उन्हें इसकी स्पष्ट रूपरेखा जनता के सामने रखनी चाहिए।

दिल्ली में अवैध घुसपैठियों और अंतरराज्यीय गिरोहों के खिलाफ होगा एक्शन

नई दिल्ली: दिल्ली की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक अहम बैठक हुई.इस बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया. यह बैठक न केवल दिल्ली की सुरक्षा चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा के लिए जानी गई, बल्कि इसमें कई अहम फैसले भी लिए गए, जो राजधानी की सुरक्षा और व्यवस्था को नए आयाम देंगे. दिल्ली की नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, गृह मंत्री आशीष सूद, दिल्ली पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था और समन्वय पर उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश में घुसने, उनके दस्तावेज बनवाने और यहां उनके रहने में मदद करने वाले पूरे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए. शाह ने कहा, दिल्ली में अंतरराज्यीय गिरोहों को निर्मम तरीके से खत्म करना दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए. बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "अवैध घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए, तथा उनकी पहचान कर उन्हें निर्वासित किया जाना चाहिए". केंद्रीय गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि दिल्ली में निर्माण से जुड़े मामलों में दिल्ली पुलिस की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी. वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि पहली बार केंद्र और राज्य सरकार के बीच ऐसा समन्वय देखने को मिला है, जहां दिल्ली की सुरक्षा व कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई. इससे पहले की सरकारों ने जिन मुद्दों को नजरअंदाज किया था, उन पर विस्तार से चर्चा हुई और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया गया है.

सतीश उपाध्याय ने झूठ बोला कि तीन साल पहले भगत सिंह की खंडित मूर्ति की जगह नई मूर्ति लगवाई- सोमनाथ भारती

मुख्य संवाददाता सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा द्वारा भगत सिंह की प्रतिमा को लेकर फैलाए जा रहे झूठ का पर्दाफाश कर दिया। ''आप'' के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने कहा कि भाजपा ने पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालय से शहीद भगत सिंह तश्वीरें हटाकर उनका अपमान किया और अब उनकी प्रतिमा को लेकर झूठ फैला रही है। जब भाजपा एमसीडी में थी, तब मालवीय नगर विधानसभा स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में लगी भगत सिंह की प्रतिमा खंडित कर दी गई। हमने भाजपा से नई मूर्ति लगाने की मांग की, लेकिन उसने नहीं लगाया। एमसीडी में आने के बाद आम आदमी पार्टी ने जनता के साथ मिलकर पिछले साल वहां नई प्रतिमा स्थापित की। लेकिन भाजपा के विधायक सतीश उपाध्याय ने सदन में झूठ बोला कि तीन साल पहले खंडित मूर्ति को भाजपा ने लगवाया। अगर भाजपा के मन में शहीदों के प्रति प्रेम होता तो मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालय से भगत सिंह और बाबा साहब की तश्वीर नहीं हटाती।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि पिछले दिनों विधानसभा का सत्र शुरू हुआ। भाजपा ने बाबा साहब डॉ. अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की प्रतिमा को मुख्यमंत्री व मंत्रियों के कार्यालय से हटा दिया। इसे लेकर दिल्ली समेत पूरा देश आहत है। आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे को विधानसभा के अंदर और बाहर पूरजोर तरीके से उठाया और पूरे देश को बताया कि भाजपा के मन में बाबा साहब और शहीद-ए-आजम भगत सिंह को लेकर कैसी गलत भावनाएं हैं। यह चोरी पकड़े जाने के बाद भाजपा को कहीं छिपने की जगह नहीं मिल रही थी। इस देश के अंदर बाबा साहब और शहीद भगत सिंह के अपमान को कोई भी देशवासी सहन नहीं करेगा।

सोमनाथ भारती ने कहा कि भाजपा को इस मुद्दे पर जब कहीं छिपने की जगह नहीं मिल रही थी तो मालवीय नगर से भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने जनता के सामने एक झूठ पेश करने की कोशिश की। दुख तब हुआ, जब उन्होंने विधानसभा पटल का भी इसके लिए दुरुपयोग किया। मालवीय नगर में शहीद भगत सिंह पार्क है। 27 सितंबर 2008 को पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित की गई। यह पार्क एमसीडी के अधीन है। जब एमसीडी में भाजपा की सत्ता थी, तब शहीद भगत सिंह की मूर्ति को बिखंडित की गई। इससे बहुत लोग आहत और परेशान हुए। एमसीडी की भाजपा सरकार से मांग की कि बिखंडित मूर्ति की मरम्मत की जाए या पुनर्स्थापना की जाए, लेकिन हमारे लाख प्रयासों के बावजूद भाजपा शासित नगर निगम ने बिल्कुल ध्यान नहीं दिया।

सोमनाथ भारती ने कहा कि आम आदमी पार्टी जब एमसीडी की सत्ता में आई तो हमने इस पर कार्य शुरू किया। बड़ी लंबी जद्दोजहद के बाद 23 मार्च 2024 को ''आप'' की सरकार ने पार्क में शहीद भगत सिंह की नई प्रतिमा स्थापित किया। भगत सिंह की नई प्रतिमा के अनावरण के दौरान सतीश उपाध्याय भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कार्यालय से भगत की तश्वीर हटाने के कारण भाजपा का आज पूरे देश में थू-थू हो रहा है। इसके बचाव में भाजपा के विधायक सतीश उपाध्याय ने अपने ट्वीट और सदन में कहा कि भगत सिंह की मूर्ति तीन साल पहले खंडित हुई थी। जबकि इस नई प्रतिमा को लगे अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ है। सतीश उपाध्याय ने गलत बयानी करके जनता को गुमराह करने का प्रयत्न किया। भाजपा के शासनकाल में खंडित हुई शहीद भगत सिंह की मूर्ति को हमने आर्थिक देकर क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर नई शानदार मूर्ति की स्थापना की।

सोमनाथ भारती ने कहा कि भाजपा के मन में देश के शहीदों के लिए प्रेम नहीं है। भाजपा झूठ बोलने की आदि हो गई है। जिस पार्टी की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुख्यालय पर 50-52 साल तक तिरंगा नहीं फहराया हो, वह देश के शहीदों को लेकर बात करे तो यह हास्यास्पद है। आम आदमी पार्टी ने बहुत सही तरीके से भाजपा को घेरा है। भाजपा के पास आम आदमी पार्टी के सवालों का जवाब नहीं है कि क्यों उन्होंने बाबा साहब और शहीद भगत सिंह की तश्वीरें हटाई? सतीश उपाध्याय ने जिस प्रकार से सदन में झूठ बोला, उसकी आम आदमी पार्टी कड़ी निंदा करती है। सदन पटल का दुरुपयोग किया गया है। मैं यह बात स्पीकर के संज्ञान में लाउंगा। मैं शहीद भगत सिंह के रास्ते पर चलने के लिए हमेशा उत्साहित रहता हूं। इसी का परिणाम रहा कि हमने पहली बार शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जी की प्रतिमा का अनावरण किया था। ताकि कोई विधायक इस रास्ते से गुजरे तो सदन के अंदर जाने से पहले यह देख पाए कि किन लोगों ने देश के लिए कुर्बानियां दी।

सोमनाथ भारती ने कहा कि भाजपा से पूछना चाहता हूं कि वह भाजपा का एक नाम बताए, जिसने देश के कुर्बानी दी। झूठ बोलकर जनता को गुमराह करना भाजपा को सोभा नहीं देता है। सतीश उपाध्याय जिस वीडियो में बोल रहे हैं, उसके पीछे ही भगत सिंह प्रतिमा लगी है और उसमे मूर्ति के अनावरण की तारीख साफ दिख रही है। भाजपा देश के शहीदों के प्रति तनिक भी प्रेम नहीं रखती और इसी कारण से उन्होंने बाबा साहब और शहीद भगत की तश्वीरें मुख्यमंत्री मंत्रियों के कार्यालय से हटा दी। इस अपराध को छिपाने के लिए अब भाजपा झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रही है। देश के सामने सवाल है कि क्या बाबा साहब से नरेंद्र मोदी बड़े हैं? भाजपा यह नहीं मानती है कि नरेंद्र मोदी से बाबा साहब बड़े हैं। इसलिए उसने बाबा साहब की तश्वीर हटा कर नरेंद्र मोदी की फोटा लगा दी।

नोएडा फिल्मसिटी: मेकर्स को शूटिंग के लिए मिलेगी 50 फीसदी छूट, जानिए इसका क्षेत्रफल

ग्रेटर नोएडा में बनने जा रहा है इंटरनेशनल फिल्म सिटी। यमुना प्राधिकरण ने फिल्म सिटी के निर्माण के लिए डेवलपर कंपनी बेव्यू भूटानी इंटरनेशनल फिल्म सिटी प्रा.लि. को सेक्टर 21 में 230 एकड़ जमीन सौंप दी है। फिल्म सिटी में तीन साल में शूटिंग शुरू हो जाएगी। फिल्म सिटी में फिल्म निर्माण से जुड़े कर्मियों को भी तैयार किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने बृहस्पतिवार को इंटरनेशनल फिल्म सिटी निर्माण को विकासकर्ता कंपनी बेव्यू भूटानी इंटरनेशनल फिल्म सिटी प्रा.लि. को सेक्टर 21 में 230 एकड़ भूमि हस्तांतरित कर दी। प्राधिकरण कार्यालय में यीडा सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह ने कंपनी चेयरमैन बोनी कपूर को भूमि का कब्जा पत्र सौंपा।

बोनी कपूर ने फिल्म सिटी के साथ डिज्नीलैंड व 18 होल गोल्फ कोर्स बनाने की इच्छा जताई। इसके लिए भूमि दिलाने का प्रस्ताव प्रदेश सरकार को दिया जाएगा। फिल्म सिटी में तीन साल में शूटिंग शुरू होगी। मार्च अंत या अप्रैल के पहले सप्ताह में फिल्म सिटी का शिलान्यास होगा।

मेरठ के रहने वाले हैं बोनी कपूर

बोनी कपूर ने कहा कि वह मेरठ के रहने वाले हैं। प्रदेश से उनका खास लगाव है। उत्तर प्रदेश संस्कृति से समृद्ध है। उनके पास सात फिल्में हैं, जिनका निर्माण होना है। उधर, सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह ने बताया कि विकासकर्ता कंपनी की 10 मार्च को बोर्ड बैठक होगी।

इसमें मानचित्र को स्वीकृति दी जाएगी। इसके बाद यीडा की स्वीकृति के लिए कंपनी आवेदन करेगी। बोनी कपूर ने कहा कि फिल्म सिटी अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म निर्माण की सुविधाओं के साथ विकसित होगी। इसके लिए उन्होंने कई देशों में फिल्म सिटी को देखा व उसकी जानकारी ली है।

स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार

उनकी खूबियां फिल्म सिटी में होंगी। फिल्म निर्माताओं को लुभाने व लागत घटाने को फिल्म निर्माण से जुड़े कर्मियों को यहीं तैयार किया जाएगा। इसके लिए फिल्म सिटी में फिल्म इंस्टीट्यूट शुरू होगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। फिल्म निर्माताओं को 50 प्रतिशत तक कम लागत पर शूटिंग की सुविधा दी जाएगी।

कई विदेशी कंपनियों से इस बारे में बात हो चुकी है। तीन साल में फिल्म निर्माण संबंधी सुविधाएं विकसित होंगी। आठ साल में फिल्म सिटी पूरी तरह से विकसित होगी। इसमें फिल्म निर्माण के लिए स्टूडियो समेत अन्य सुविधाएं, होटल, माल, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स आदि होंगे। फिल्मी कलाकारों के लिए अलग आवासीय परिसर होंगे जो उनकी सुरक्षा को देखते हुए बनेंगे।

मलेशिया की तर्ज पर फिल्म सिटी के अंदर सिग्नेचर टावर होंगे विकसित

फिल्म सिटी में ऊं (ओम) का आकार आकर्षण का केंद्र होगा, जो देश की आध्यात्मिक सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ ही शांति और ध्यान के प्रति भी आकर्षण को बढ़ावा देगी। देश ही नहीं दुनिया की सबसे शानदार फिल्म सिटी बनाने के लिए मलेशिया की तर्ज पर फिल्म सिटी के अंदर सिग्नेचर टावर भी विकसित किए जाएंगे।

जिंदगी कोई सवाल नहीं प्रमाणिकता है और यही जीने का नाम है

जीवन को यदि समझने लगोगे तभी समझ पाओगे, जीवन को जानकर जीवन में प्रवेश करना ही महा जीवन है। जहां मृत्यु संसार का बंधन नहीं अपितु परम मुक्ति है। शरीर में आना स्वयं ही कारण है और चैतन्य कारी कारण सभी नियमो से स्वतंत्र है। पृथ्वी के नियम पृथ्वी पर ही छूट जाते हैं वास्तविकता में कोई नियम कोई कानून नहीं। रहस्य खुल गया तो भेद समझ में आ गया। ठीक इसी तरह जैसे तुम अपने घर में प्रवेश करते ही अपने घर के मालिक बन जाते हो। अब तुम चाहो तो कुंडी खोलो या ना खोलो तुम्हारी स्वतंत्रता तुम्हारी निजता ठीक इसी प्रकार ब्रह्मांड की सृष्टि के पूरे रहस्य तुम्हारे भीतर खुल जाते हैं। तुम्हारे भीतर तुम्हारा आयाम है तुम्हारा केंद्र बिंदु है, जहां बाहर का संसार तुम्हें छू भी नहीं सकता। तुम अपने केंद्र बिंदु में ही सुरक्षित हो। जहां मृत्यु का भी कोई भय नहीं, दृष्टि बदली सृष्टि बदल गई। तुम संसार में रहते हुए भी सभी समय सीमाओं, नियमो और कानून से बाहर हो कोई कर्म बंधन नहीं। इसलिए ध्यान बाहरी आवरण से हटाकर वास्तविकता से रूबरू में लगाने से तुमको तुम्हारे सिवाय कुछ नहीं दिखेगा और तुम्हारी जिंदगी मे किसी दूसरे का दखल नहीं रहेगा।

भारत में राजनीतिक पार्टियों के अध्यक्ष और भावी अध्यक्ष

कांग्रेस – सोनिया का बेटा
शिवसेना – उद्धव ठाकरे का बेटा
एनसीपी– पवार की बेटी
आरजेडी– लालू का बेटा
एसपी– मुलायम का बेटा
जेडीएस– देवेगौड़ा का बेटा
टीएमसी– ममता का भतीजा
बीएसपी– मायावती का भतीजा
टीआरएस– चंद्रशेखर राव का बेटा
टीडीपी– चंद्रबाबू नायडू का बेटा
अकाली दल– बादल का बेटा
नेशनल कांफ्रेंस– फारुख अब्दुल्ला का बेटा
पीडीपी– मुफ़्ती की बेटी
वाईएसआरसीपी – राजशेखर रेड्डी का बेटा
बीजेडी– बीजू पटनायक का बेटा
एलजेपी– रामविलास पासवान का बेटा
जेएमएम– शिबू सोरेन का बेटा
आरएलडी– अजित सिंह का बेटा
जेडीएस– देवेगौड़ा का बेटा
आईएनएलडी– चौटाला का बेटा
डीएमके – स्टालिन का बेटा
बीजेपी – पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता

ब्रज में कब होगी लट्ठमार होली, कब उड़ेंगे गुलाल, आइए जानें पूरा शेड्यूल

परिवहन विशेष न्यूज

मथुरा। होली बेहद उत्साह के साथ मनाई जाती है। देशभर में कई तरह से होली खेली जाती है। ब्रज में भी होली के पर्व के दौरान खास रौनक देखने को मिलती है। पूरे ब्रज में कई तरह से पर्व को मनाया जाता है जिसमें लट्ठमार होली भी शामिल है।

विश्व विख्यात ब्रज की होली तीन मार्च से शुरू हो रही है। तीन मार्च को रंगों और गुलाल से सराबोर करने वाली साधु संतों की होली होगी। होली रमणरेती आश्रम महावन में खेली जाएगी। जबकि 7 मार्च को बरसाना में लड्डू होली खेली जाएगी। यह होली देखने देश-विदेश के लोग मथुरा हर साल आते हैं।

बरसाना और नंदगांव में खेली जाएगी लट्ठमार होली

बरसाना में आठ मार्च को लट्ठमार होली खेली जाएगी। वहीं नंदगांव में 9 मार्च को लट्ठमार होली खेली जाएगी। 10 मार्च को रंगभरनी एकादशी से ही ब्रज में रंगीली होली की शुरुआत होती है और सारे प्रमुख मंदिरों में लगातार होली में रंग गुलाल उड़ना शुरू हो जाता है। 10 मार्च श्री कृष्ण जन्मभूमि होली खेली जाएगी। 10 मार्च को वृंदावन में बिहारी जी रंग भरनी एकादशी होली की शुरुआत होगी। 10 मार्च को ही द्वारकाधीश में कुंज बनाया जाएगा, जिसमें भगवान को बिठाकर रंगों से होली होगी।

11 मार्च को गोकुल में छड़ीमार होली

11 मार्च को गोकुल में छड़ीमार होली होगी, 12 मार्च द्वारकाधीश मंदिर के बगीचे में रंगीली होली होगी, 13 मार्च होली का पंडा होगा। इसमें जलती होली से पंडा मथुरा से करीब 55 किलोमीटर दूर फॉलेन और बठेन गांव में जलती हुई होली से प्रहलाद रूप में निकलेगा।

15 मार्च को कपड़ा फाड़ होली

13 मार्च को प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर से चतुर्वेदी समाज का डोला निकलेगा। इसमें रंग गुलाल से होली होती है। 14 मार्च को धुलेंडी होगी। 15 मार्च को दाऊजी का हुरंगा जहां का देवर भाभी का कपड़ा फाड़ होली होगी। हुरंगा देश भर में प्रसिद्ध है।

मथुरा में होली का जश्न शुरू

बता दें कि मथुरा में राधा रानी की जन्मस्थली ऐतिहासिक नगरी बरसाना में होली का जश्न शुरू हो गया है। महाशिवरात्रि की शाम को बुधवार को पहली चौपाई (गायन और संगीत पार्टी) हुई, जिसके बाद सड़कें अबीर और गुलाल के रंगों से भर गईं। दूसरी चौपाई 7 मार्च को होगी, जो लड्डू मार होली की शुरुआत होगी। इसके बाद 8 मार्च को लठ्ठमार होली होगी। ब्रज मंडल में होली उत्सव 40 दिनों तक जारी रहेगा।

आधी रात को धधकी कानपुर की गल्ला मंडी, 10 गोदाम में जला लाखों का माल

सुनील बाजपेई

कानपुर। गर्मी शुरु होने के पहले ही यहां आग ने अपना तांडव दिखाने शुरू कर दिया है वह आधी रात को यहां की गल्ला मंडी में भी धधक उठी, जिसके फलस्वरुप 10 गोदाम में रखा लाखों का माल खाक हो गया। इस आग पर काबू पाने में फायर ब्रिगेड को घंटे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं नुकसान का आकलन भी शुरू कर दिया गया है जो कि समाचार लिखे जाने तक जारी है। इस भीषण आग को बुझाने के लिए फजलगंज, जाजमऊ, किदवई नगर से 12 से अधिक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग की लपटें और धुआं 2 किलोमीटर दूर से दिखाई पड़। फिलहाल कड़ी मशक्कत के बाद करीब 2 बजे काबू पा लिया गया। मंडी में बने करीब 10 गोदाम जलकर राख हो गए। जहां तक आग लगने के कारण का सवाल है। इसकी वजह अभी पता नहीं चल पाई है। वहीं आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक नौबस्ता गल्ला मंडी में सबसे पहले यह चबूतरा नंबर 2 में लग गई। आग की लपटे उठती देखकर पुलिस और दमकल को सूचना दी गई। इस दौरान मंडी के गोदामों के बाहर टट्टर लगे होने के कारण कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। गोदाम में चना और अनाज (गेहूं) रखा हुआ था। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग पर बिना किसी जनहानि के काबू पा लिया गया है। फिलहाल का कारण स्पष्ट नहीं है। वहीं दूसरी ओर आग लगने की वजह पता लगाने के साथ ही हुए नुकसान का आकलन भी शुरू कर दिया गया है।

ट्रंप के टैरिफ अटैक से दुनियाँ में हलचल-यूरोपीय यूनियन, कनाडा चीन, मैक्सिको सहित अनेक देशों पर टैरिफ अटैक-4 मार्च 2025 से लागू

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 के बाद से दुनियाँ के हर देश की अर्थव्यवस्था बिगड़ सी गई है, जिससे हर देश ने मेहनत कर अपने-अपने देश की आर्थिक स्थिति पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है, बीच डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनते व 20 जनवरी 2025 को शपथ ग्रहण करने के साथ ही अपने चुनावी वादों को पूरा करने की क्रम बाय क्रम झड़ी सी लगा दी है, इसी क्रम में दिनांक 27 फरवरी 2025 को देर शाम यूरोपीय यूनियन पर 25 पेर्सेंट टैरिफ तथा चीन को 10 पर्सेंट और अतिरिक्त टैरिफ यानी टोटल 20 पर्सेंट टैरिफ देनी होगी। कनाडा मैक्सिको पर टैरिफ 4 मार्च 2025 से लागू करने की बात कही गई है। असल में ट्रंप का अमेरिकी फर्स्ट के लिए हर सक्षम उपाय करने में तेजी से आगे बढ़ गए हैं, ताकि अमेरिका को अधिक से अधिक आय हो जिससे वह अपने क़र्ज़ को कम करके धीरे-धीरे जीरो टॉलरेंस पर ले जाकर अर्थव्यवस्था में नई जान फूँकने पर आतुर है जिसका सटीक उदाहरण, बढ़ते टैरिफ की संभावना से पहले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची हुई है। उपभोक्ता आशंका जता रहे हैं थे कि अगर अमेरिका के दो बड़े व्यापिरक साझेदार कनाडा और मैक्सिको पर टैरिफ लगाए जाते हैं तो महंगाई बढ़ सकती है और ऑटो क्षेत्र प्रभावित हो सकता है। और हुआ भी वही 4 मार्च 2025 से 25 पर्सेंट टैक्स रखना शुरू हो जाएंगे। मेरा व्यक्तिगत स्तरपर मानना है कि अपने देश के नागरिकों को प्राथमिकता देना, अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, कड़े कदम उठाना अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने के लिए किसी भी हद तक कीमत चुकाने के लिए हर देश को रणनीति रूप से तैयार रहना चाहिए। कुछ हद तक इसका संज्ञान ट्रंप से लिया जा सकता है, चूँकि ट्रंप का टैरिफ हमला, भारत 27 देशो के यूरोपियन यूनियन संगठन सहित दुनियाँ से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होना समय की मांग है तथा ट्रंप का टैरिफ हमला, भारत 27 देशों के संगठन यूरोपीय यूनियन के साथ मिलकर रास्ता खोजेगा इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से व इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ अटैक से दुनियाँ में हलचल यूरोपीय यूनियन कनाडा, चीन मैक्सिको सहित अनेक देशों पर टैरिफ अटैक, 4 मार्च 2025 से लागू होंगे।

साथियों बात अगर हम ट्रंप के टैरिफ अटैक की करें तो अमेरिका के राष्ट्रपति ने विदेशी निवेशकों के लिए अमेरिका की नागरिकता हासिल करने का सीधा रास्ता खोल दिया है। उन्होंने बुधवार को नए प्रवासन कार्यक्रम का ऐलान करते हुए कहा कि लोग 50 लाख डॉलर अथवा 43.7 करोड़ रुपये देकर उनके देश में रहने का सपना साकार कर सकते हैं। नए कार्यक्रम के तहत जारी होने वाला गोल्ड कार्ड पुराने रोजगार आधारित ईबी-5 वीजा की जगह लेगा। नई व्यवस्था से उन भारतीयों को तगड़ा झटका लगा है जो अमेरिका में रहने के लिए ईबी-5 वीजा को एच-1बी वीजा के विकल्प के तौर पर देख रहे थे। वह अगले मंगलवार से मैक्सिको और कनाडा पर कर (टैरिफ) लगाएंगे, साथ ही चीन से आयात पर मौजूदा10 फीसदी टैरिफ दोगुना करेंगे। ट्रंप ने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा कि फेंटेनाइल जैसी नशीली दवाओं की अमेरिका में अस्वीकार्य स्तर पर तस्करी की जा रही है और आयात कर अन्य देशकों को तस्करी पर रोक लगाने के लिए मजबूर करेंगे। ट्रंप ने लिखा, हम इससे अमेरिका को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दे सकते। इसलिए जब तक यह बंद नहीं हो जाता है या गंभीर रूप से सीमित नहीं हो जाता है, प्रस्तावित टैरिफ (जो चार मार्च से लागू होने वाले हैं) तय कार्यक्रम के अनुसार प्रभावी होंगे। उस तारीख पर चीन पर भी उसी दिन 10 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा।

साथियों बात अगर हम ट्रंप के डायरेक्ट टैरिफ अटैक पर दुनियाँ की नाराजगी जताने की करें तो, कई स्वास्थ्य समूहों और गैर- सरकारी संगठनों ने यूएसए आईडी की फंडिंग में कटौती करने के ट्रंप प्रशासन के फैसले पर हैरानी और नाराजगी व नाराजगी जताई। इन संगठनों ने कहा कि इस फैसले के बाद कई मानवीय कार्यक्रम बंद हो जाएंगे। एक महीने पहले ट्रंप ने यूएसए आईडी की फंडिंग की 90 दिनों तक समीक्षा करने की घोषणा की थी। यह फैसला उन पहलों को बंद कर देगा जो दुनियाँ भर में भूख और बीमारी से लड़ने वाले लाखों

लोगों के जीवन को बचाते हैं। दुनियाँ भर में सहायता कार्यक्रमों पर काम करने वाले अमेरिकी एनजीओ का एक समूह इंटरएक्शन ने कहा, ट्रंप के फैसले से महिलाएं और बच्चे भूखे रहेंगे, गोदामों में रखा भोजन सड़ जाएगा, जबकि कई परिवार भूख से मरेंगे और बच्चे एचआईवी के साथ पैदा होंगे। यह अनावश्यक फैसला अमेरिका को सुरक्षित, मजबूत या अधिक समृद्ध नहीं बनाएगा। इसके बजाय, यह अस्थिरता, प्रवास और निराशा को निश्चित रूप से जन्म देगी।

साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा यूरोपियन यूनियन पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाने की करेंतो, डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर से बड़ा फैसला लेते हुए टैरिफ को लेकर बड़ा ऐलान किया है। कई देशों पर टैरिफ लगा चुके ट्रम्प ने अब यूरोपियन यूनियन पर टैरिफ लगाने की बात कही है। उन्होंने ऐलान किया है कि यूरोपियन यूनियन के उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ होगा। जिसमें ऑटो और अन्य सामान भी शामिल हैं। ट्रम्प ने दावा किया है कि यूरोपीय संघ का गठन संयुक्त राज्य अमेरिका को परेशान करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा, हम बहुत जल्द इसकी (टैरिफ की) घोषणा करेंगे। और यह कारों और अन्य सभी चीजों पर लागू होगा। ट्रम्प ने कहा कि यूरोप के साथ व्यापार भी उनकी नजर में है और यूरोपीय नीतियों के कारण अमेरिकी खाद्य उत्पादों और कारों के निर्यातकों को नुकसान हो रहा है। अमेरिका को परेशान करने का यही इसका उद्देश्य है और उन्होंने इस काम को बखूबी अंजाम दिया है, लेकिन अब मैं राष्ट्रपति हूं, हम जल्द ही प्रतिशोधी टैरिफ लगाएंगे क्योंकि इसका अर्थ है कि यदि वे हम पर शुल्क लगाते हैं, तो हम भी उन पर टैरिफ लगाएंगे। यह बहुत सरल है। कोई भी देश, चाहे भारत हो, चीन हो या कोई अन्य, जो भी टैरिफ हम पर लगाते हैं, हम भी उसी रेशियो में उन पर टैरिफ लगाएंगे। हम निष्पक्षता चाहते हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनका प्रशासन जल्द ही भारत और चीन जैसे देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा यह घोषणा उन्होंने वाणिज्य सचिव के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान की। उन्होंने इस बात को दोहराया कि यह निर्णय भारतीय पीएम की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान भी चर्चा में था।

साथियों बात अगर हम यूरोपियन यूनियन नें भारत से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट बनाना जरूरी होने, यूरोपीय संघ की अध्यक्ष की 27 फरवरी 2024 को भारत पहुंचने की करें तो, ईयू भारत का बड़ा व्यापारिक दोस्त है, 2023 में 12.2 पर्सेंट व्यापार हुआ. दोनों एफटीए पर काम कर रहे हैं, सुरक्षा में भी मदद, जैसे समुद्र और तकनीक में, आईएमसीई से व्यापार आसान होगा यूरोपीय संघ (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन गुरुवार को भारत पहुंचीं। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही विदेश मंत्री से मुलाकात की। भारत आने के बाद यूरोपीय संघ की प्रमुख ने एक्स पर लिखा कि संघर्ष और कड़ी प्रतिस्पर्धा के दौर में भरोसेमंद मित्रों कीजरूरत होती है और यूरोप के लिए भारत एक ऐसा ही मित्र और रणनीतिक सहयोगी है। वॉन डेर लेयेन के नेतृत्व में यूरोपीय देशों के कॉलेज ऑफ कमिश्नर यानी वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को भारत पहुंचा, जिनकी शुक्रवार को पीएम के साथ मुलाकात हुई। इसमें भारत और यूरोप के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत होने की उम्मीद हैं। उर्सुला लेयेन ने साफ किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ धमकियों के बीच यूरोप को भारत में एक भरोसेमंद मित्र नजर आ रहा है। मैं भारतीय पीएम के साथ इस बात पर चर्चा करूंगी कि हमारी रणनीतिक साझेदारी को अगले स्तर पर कैसे ले जाया जाए। व्यापक वार्ता में लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को मजबूत करने और रक्षा, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दोनों पक्ष रूस-यूक्रेन संघर्ष, भारत- प्रशांत की स्थिति और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचार-विमर्श कर सकते हैं, व एक संयुक्त वक्तव्य जारी होने की भी उम्मीद है। विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ईयू के साथ साझेदारी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम व्यापार और रक्षा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कुछ ठोस प्रगति की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच एफटीए पर विचार-विमर्श की उम्मीद है क्योंकि हमें जल्द से जल्द एक पारस्परिक लाभकारी सौदे की आवश्यकता है। यूरोपीय संघ अपनी तरफ से स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यापार में अनुचित बाधाओं के खिलाफ दृढ़ता से और तुरंत प्रतिक्रिया देने की बात कह चुका है। दोनों पक्षों का मानना है कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता आर्थिक जुड़ाव को काफी हद तक बढ़ाएगा। उनके मुताबिक, यूरोपीय संघ चाहता है कि भारत कारों, शराब और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करे और भारत को भी ईयू से कुछ अपेक्षाएं हैं। दोनों पक्ष रक्षा और सुरक्षा सहयोग के विस्तार के तरीकों की भी तलाश करेंगे। अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष सूचना सुरक्षा समझौते को मजबूत करने की प्रक्रिया में हैं। इससे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए रूपरेखा तैयार होगी। रक्षा संबंधों को बढ़ाने के क्रम में यूरोपीय संघ की तरफ से जल्द ही भारत के सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र (आईएफसी -आईओआर) में एक संपर्क अधिकारी नियुक्त करने की उम्मीद है। वस्तुओं की सबसे बड़ी व्यापारिक साझेदारी वित्तीय वर्ष 2023-24 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 135 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें यूरोपीय संघ को निर्यात 76 बिलियन डॉलर और वहां से आयात 59 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया। इस तरह से भारत वस्तुओं के मामले में उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023 में सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार 53 बिलियन डॉलर रहा, जिसमें 30 बिलियन डॉलर का भारतीय निर्यात और 23 बिलियन डॉलर का आयात शामिल है, जो सेवाओं में अब तक का सबसे अधिक व्यापार है। भारत में करीब छह हजार यूरोपीय कंपनियां। भारत में यूरोपीय संघ के निवेश का मूल्य 117 बिलियन डॉलर से अधिक है, जिसमें लगभग 6,000 यूरोपीय कंपनियां भारत में मौजूद हैं। यूरोपीय संघ में भारत का निवेश लगभग 40 बिलियन डॉलर है। दोनों पक्ष 2021 में शुरू की गई भारत-यूरोपीय संघ कनेक्टिविटी साझेदारी के तहत कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए भी उत्सुक हैं। साझेदारी ने तीसरे देशों सहित कनेक्टिविटी पर सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों को भी रेखांकित किया।

अतः उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययनकर इसका विशेष करें करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप के टैरिफ अटैक से दुनिया में हलचल- यूरोपीय यूनियन, कनाडा, चीन, मैक्सिको सहित अनेक देशों पर टैरिफ अटैक- 4 मार्च 2025 से लागू होंगे। ट्रंप का टैरिफ हमला- भारत 27 देश के संगठन यूरोपीय यूनियन के साथ मिलकर खोजेगा रास्ता भारत का यूरोपीय यूनियन सहित अनेक देशों से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होना समय की मांग।

मार्च 2025 में लॉन्च हो सकती है ये 5 दमदार कार, लिस्ट में मारुति से लेकर वॉल्वो तक शामिल

मार्च 2025 में कई ऑटोमेकर अपनी नई कार को लॉन्च करने की तैयारी कर रहे हैं। हम यहां पर आपको उन गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं जो मार्च महीने में लॉन्च हो सकती है। हमारी इस लिस्ट में Maruti Suzuki e Vitara Tata Harrier EV MG Cyberster 2025 Kia EV6 और Volvo XC90 Facelift है। आइए जानते हैं कि यह कब लॉन्च होने वाली है।

नई दिल्ली। फरवरी 2025 में कई ऑटोमेकर ने अपने कई मॉडलों के अपडेट वर्जन को पेश किया, ताकि वह ग्राहकों को अट्रैक्ट कर सकें। वहीं, अगले महीने यानी मार्च में भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही किआ इंडिया, वोल्वो, टाटा समेट एमजी अपनी नई गाड़ियों को लॉन्च कर सकती है। आइए जानते हैं कि मार्च 2025 में कौन-सी गाड़ियां लॉन्च हो सकती है।

आइए जानते हैं मार्च 2025 में भारत में लॉन्च होने वाली प्रमुख कारों के बारे में:

1. Maruti Suzuki e Vitara

लॉन्च तारीखः मध्य मार्च 2025

अनुमानित कीमतः 17 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

Maruti ने Auto Expo 2025 में अपनी पहली ऑल-इलेक्ट्रिक SUV e Vitara को पेश किया था। हालांकि मारुति ने इसके आधिकारिक लॉन्च तारीख का एलान नहीं किया है, लेकिन इसे मार्च महीने के बीच में लॉन्च किए जाने की संभावना है। कुछ डीलरशिप तो इसकी बुकिंग पहले से ही लेना शुरू कर चुके हैं। e Vitara में दो बैटरी पैक ऑप्शन (49 kWh और 61 kWh) के साथ आने वाली है, जो 500 किमी से अधिक की रेंज देने का दावा करती है।

2. Tata Harrier EV

लॉन्च तारीखः 31 मार्च 2025

अनुमानित कीमतः 30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

Auto Expo 2025 में Tata ने अपनी Harrier EV का प्रोडक्शन-स्पेक मॉडल को दिखाया था, जिसके भारत में लॉन्च होने की उम्मीद मार्च के आखिरी तक है। यह कई

बेहतरीन फीचर्स से लैस रहने वाली है। Tata ने पुष्टि की है कि Harrier EV में ड्यूल इलेक्ट्रिक मोटर्स और ऑल-व्हील-ड्राइव सिस्टम भी होगा, जो 500 Nm का टॉर्क पैदा करेगा।

3. MG Cyberster

लॉन्च तारीखः मार्च 2025 के दूसरे हफ्ते में

अनुमानित कीमतः 50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

MG ने Auto Expo 2025 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कन्वर्टिबल Cyberster को पेश किया था। इस कार ने सांभर साल्ट लेक पर 0-100 किमी/घंटा की स्पीड मात्र 3.2 सेकंड में हासिल कर रिकॉर्ड बनाया है। Cyberster में 77 kWh बैटरी पैक दी गई है, जो ड्यूल इलेक्ट्रिक मोटर्स से जुड़ा है और 510 PS पावर और 725 Nm टॉर्क देता है। MG इसे अपनी 'Select' डीलरशिप्स के जरिए लॉन्च करेगा।

4. 2025 Kia EV6

लॉन्च तारीखः मध्य मार्च 2025

अनुमानित कीमतः 63 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

Kia, मार्च के पहले हफ्ते में EV6 का फेसलिफ्टेड वर्जन के लॉन्च होने की उम्मीद है। इसमें नए डिजाइन अपडेट्स शामिल हैं, जैसे कि बदले हुए LED हेडलाइट्स और अलॉय व्हील्स। इसके इंटीरियर में दो-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और अपडेटेड सेंटर कंसोल दिया गया है। 2025 EV6 में 84 kWh बैटरी पैक दिया गया है, जो 650 किमी से अधिक की रेंज देने का दावा करता है। इसके अलावा, इसमें ADAS (एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) जैसी फीचर्स भी दिए गए हैं।

5. Volvo XC90 Facelift

लॉन्च तारीखः 4 मार्च 2025

अनुमानित कीमतः 1.05 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम)

Volvo ने हाल ही में पुष्टि की कि वह XC90 फेसलिफ्ट को 4 मार्च 2025 को लॉन्च करेगा। इसमें हल्के कॉस्मेटिक अपडेट्स किए गए हैं, जैसे कि नया बम्पर, स्लिमर LED हेडलाइट्स और टेल लाइट्स, और नए अलॉय व्हील्स। इंटीरियर में भी बदलाव किया गया है, जिसमें 11.2 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, 12.3 इंच का ड्राइवर डिस्प्ले, चार-क्षेत्रीय ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और पैनोरमिक सनरूफ जैसी फीचर्स शामिल है। Volvo XC90 Facelift में वही माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिल सकता है, लेकिन एक प्लग-इन हाइब्रिड विकल्प भी पेश किया जा सकता है।

ग्लोबल बाजार में किआ ईवी4 हुई पेश, नए एडीएएस फीचर्स समेत प्रीमियम सुविधाओं से है लैस

परिवहन विशेष न्यूज

ग्लोबल बाजार में ऑटोमेकर किआ ने अपनी नई इलेक्ट्रिक कार Kia EV4 को पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने इसके सभी फीचर्स की जानकारी को भी शेयर कर दिया है। इसे यूरो NCAP और US NCAP में 5-स्टार रेटिंग मिली है। इसकी बिक्री मार्च 2025 से शुरू भी होने वाली है। यह 30 मिनट में 10-80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है।

नई दिल्ली। ऑटोमेकर Kia अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों की लाइनअप को बढ़ाने में लगी हुई है। इसी तहत कंपनी ने Kia EV4 को पेश किया है। यह फास्टबैक सेडान और हैचबैक बॉडी स्टाइल दोनों में ही लाया गया है। इसकी बिक्री कोरिया में मार्च 2025 में शुरू होने वाली है। वहीं, यूरोपीय बाजर में इस साल की बिक्री तक उपलब्ध होने वाली है। आइए जानते हैं कि Kia EV4 को किन बेहतरीन फीचर्स के साथ पेश किया गया है।

एक्सटीरियर

इसके एक्सटीरियर में लो नोज, वर्टिकल स्टैक्ड हेडलैम्प और किआ के सिग्नेचर स्टार मैप LED DRLs दिया गया है। साइड प्रोफाइल में स्पोर्टी डुअल-टोन एलॉय व्हील, फ्लश डोर हैंडल, प्रमुख व्हील आर्च, टेपरिंग रूफलाइन और ब्लैक-आउट पिलर दिया गया है। वहीं, इसके पीछे की तरफ लाइटिंग एलिमेंट सामने इस्तेमाल किए गए हैं। इसे कंपनी ने किआ हैचबैक और सेडान दोनों के साथ जीटी-लाइन ट्रिम भी करता है, जिसमें एक्स्ट्रा स्पोर्टी फ्लेयर दिया गया है।

इंटीरियर

Kia EV4 में मल्टी मल्टी-लेयर्ड डैशबोर्ड, 30-इंच वाइड-स्क्रीन डिस्प्ले और माउंटेड कंट्रोल के साथ 1-स्पोक एसिमेट्रिकल स्टीयरिंग व्हील दी गई है। इसमें स्लाइडिंग टेबल कंसोल, एक घूमने वाला आर्मरेस्ट, दोनों दोनों पंक्तियों में बैठने के लिए पर्याप्त जगह, डायनेमिक वेलकम लाइटिंग और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स से लैस किया गया है। इसमें YouTube, Netflix, Disney+, गेम और कराओके जैसे मनोरंजन ऑप्शन दिया गया है।

बैटरी पैक और रेंज

Kia EV4 को 400V इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफ़ॉर्म पर डेवलप किया गया है। इसके दो वेरिएंट में लाया जा रहा है, जो 58.3 kWh बैटरी पैक और 81.4 kWh बैटरी पैक होगा। इसमें आगे तरफ एक इलेक्ट्रिक मोटर दी जाएगी, जो 201 hp की पावर जनरेट करेंगे।

यह महज 7.4 से 7.7 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की स्पीड हासिल करने में समय लगता है। दोनों की टॉप स्पीड 170 किमी/घंटा है। इसकी रेंज की बात करें तो EV4 सेडान का मानक मॉडल एक बार फुल चार्ज होने पर 430 किमी और लंबी दूरी वाले वेरिएंट के साथ रेंज बढ़कर 630 किमी रहेगी। वहीं, EV4 हैचबैक 590 किमी की रेंज देगी।

इसमें 1-kW ऑन-बोर्ड चार्जर दिया गया है, जो सिंगल-फेज और थ्री-फेज इनपुट दोनों को सपोर्ट करता है। यह महज 31 मिनट में 10-80% तक चार्ज हो जाती है। EV4 में 3.6 kVA व्हीकल-टू-लोड (V2L) और 10 kVA व्हीकल-टू-ग्रिड (V2G) जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं।

नए ADAS फीचर्स से लैस

Kia EV4 को नए ADAS फीचर्स से लैस किया गया है। इसका डिजाइन अपने आप में ही काफी मजबूत है। इसके साइड इम्पैक्ट के खिलाफ बेहतर सेफ्टी देने के लिए रॉकर पैनल में मल्टी-रिब संरचनाओं का इस्तेमाल किया गया है। EV4 को यूरो NCAP और US NCAP में 5-स्टार रेटिंग मिली है।

गर्मियों में क्यों घट जाती है कार की माइलेज? वजह जान हो जाएंगे हैरान

परिवहन विशेष न्यूज

गर्मी के मौसम में कार कम माइलेज देने लगती है जिसकी वजह से कार चालक परेशान रहते हैं। आखिरकार ऐसा क्या होता है जो गर्मी का मौसम आते ही कार की माइलेज कम हो जाती है। बहुत से लोगों को इस सवाल का जवाब पता नहीं होगा। जिसे देखते हुए हम यहां पर बता रहे हैं कि गर्मियों में कार का माइलेज कम क्यों हो जाता है?

नई दिल्ली। सर्दियां खत्म होने वाली है और गर्मियों का मौसम आने वाला है। गर्मियों का मौसम आते ही कार की माइलेज भी कम हो जाती है। जिसका सामना हर कार मालिक को करना पड़ता है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको गर्मियों में कार की माइलेज आखिर कम क्यों हो जाती है और इसके पीछे के कारण क्या होते हैं। आइए विस्तार में इसके बारे में जानते हैं।

1. एयर कंडीशनिंग का ज्यादा इस्तेमाल

गर्मियों में कार के एसी का इस्तेमाल बढ़ जाता है, जो कर के इंजन पर ज्यादा दबाव डालती है। एसी का इस्तेमाल करने से इंजन को ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है, जिससे फ्यूल की खपत बढ़ जाती है और जिसका सीधा असर माइलेज पर पड़ता है।

2. गर्मी में इंजन का ज्यादा गर्म होना

गर्मी के मौसम में कार का इंजन बहुत जल्दी और ज्यादा गर्म हो जाता है। जब इंजन ज्यादा तापमान पर काम करता है, तो उसे ठंडा रखने के लिए इंजन के कंपोनेंट्स ज्यादा मेहनत करते हैं। इससे इंजन की कार्य करने की क्षमता भी कम हो जाती है। इसकी वजह से वह ज्यादा फ्यूल की खपत करता है और इस वजह से कार का माइलेज कम हो जाता है।

3. टायर का अधिक गर्म होना

गर्मी के मौसम में केवल कार ही नहीं बल्कि सड़क भी गर्म (high temperature impact) हो जाती है, जिससे टायर का तापमान बढ़ जाता है। टायर के ज्यादा गर्म होने पर ज्यादा घर्षण होता है, जो कार के वजन को बढ़ाता है और ज्यादा फ्यूल की खपत होती है। वहीं, टायर का दबाव कम होने पर माइलेज भी कम हो जाता है।

4. तेज गति और ट्रैफिक जाम

गर्मियों में लोग लंबे समय तक ट्रैफिक जाम में फंसे रहने के कारण लगातार इंजन को ऑन रखते हैं, जिसका असर इंजन की इन्फ्यूल फ्लो पर असर पड़ता है। गर्मी और ट्रैफिक के कारण कार को धीमी गति से चलाने या बार-बार रुकने से माइलेज पर बुरा असर पड़ता है।

5. एयर फिल्टर जल्दी गंदा होना

गर्मियों में धूल और गंदगी ज्यादा होती है, जिसकी वजह से एयर फिल्टर जल्दी गंदा भी जाता है। एयर फिल्टर के गंदा होने पर इंजन को सही मात्रा में हवा नहीं पहुंच पाती है, जिसकी वजह से इंजन सही से काम नहीं कर पाता है और फ्यूल का ज्यादा इस्तेमाल करने लगता है।

इन गाड़ियों में मिलती है टैबलेट जैसी बड़ी टचस्क्रीन, कीमत 10 लाख से है कम

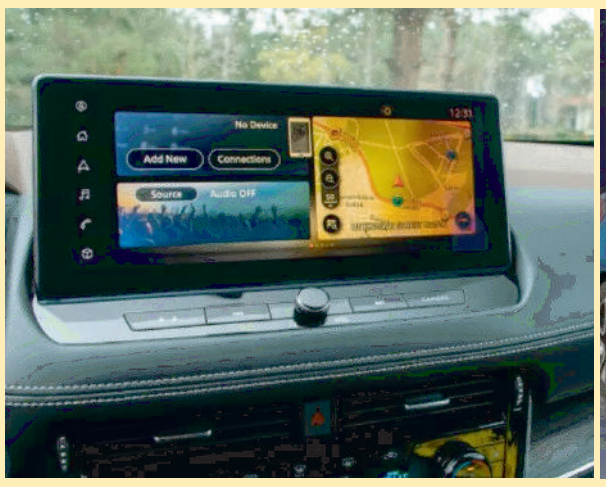

परिवहन विशेष न्यूज

हम यहां पर आपको ऐसी 5 कारों के बारे में बता रहे हैं जिनमें 10 इंच से बड़ी टचस्क्रीन दी जाती है। वहीं इन गाड़ियों की कीमत भी 10 लाख रुपये से कम है। इनमें केवल टॉप क्लास इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया जाता है बल्कि स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स सुरक्षा सुविधाएं और आरामदायक ड्राइविंग अनुभव भी मिलता है।

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में ऑटोमोटिव बाजार में टच स्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम ने काफी खास भूमिका निभाई है। वहीं, यह अब कारों में एक जरूरी फीचर्स बन चुके हैं। हाल के समय में यह फीचर्स न केवल मनोरंजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है, बल्कि जरूरी जानकारी जैसे कि नक्शे, टेंपरेचर कंट्रोल देखने के लिए मिलते हैं। वहीं, यह एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स को भी सपोर्ट करते हैं। हम यहां पर आपको 5 सबसे किफायती कारों के बारे में बता रहे हैं, जो 10 लाख रुपये की कम कीमत में आती है और उनमें 10 इंच से बड़ी टचस्क्रीन मिलती है।

1. Tata Tiago

कीमतः 6.90 लाख रुपये से शुरू (एक्स-शोरूम)

Tata Tiago भारत की सबसे सस्ती कार है, जिसमें 10.25 इंच का टचस्क्रीन दिया गया है। इसमें इस फीचर को MY25 अपडेट के साथ जोड़ा गया है। इसे Tiago और Tiago EV दोनों में ही दिया गया है। इसका इन्फोटेनमेंट सिस्टम वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले दोनों सपोर्ट के साथ आता है।

फीचर्स

सेमी-डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले
LED हेडलाइट्स
स्वचालित जलवायु नियंत्रण
4-स्पीकर साउंड सिस्टम
इलेक्ट्रॉनिक रूप से समायोज्य ORVMs
दो फ्रंट एयरबैग्स
इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम (ESP)
ISOFIX चाइल्ड सीट एंकर
रिवर्स पार्किंग कैमरा और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम

इंजन स्पेसिफिकेशन
इंजन
1.2-लीटर पेट्रोल
1.2-लीटर पेट्रोल-CNG
पावर
88 PS
75.5 PS
टॉर्क
113 Nm
96.5 Nm
ट्रांसमिशन
5-स्पीड MT, 5-स्पीड AMT
5-स्पीड MT, 5-स्पीड AMT

2. Citroen C3

कीमतः 7.47 लाख रुपये से शुरू (एक्स-शोरूम)

Citroen C3 हैचबैक में 10.2 इंच का टचस्क्रीन दिया गया है, जो इसकी मिड-स्पेक Feel वेरिएंट में मिलता है। इस इन्फोटेनमेंट सिस्टम में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी का सपोर्ट दिया गया है।

फीचर्स

सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर
मैन्युअल AC
हाइट अडजस्टेबल ड्राइवर सीट
इलेक्ट्रॉनिक रूप से समायोज्य ORVMs
6 एयरबैग्स
ABS with EBD
रिवर्स कैमरा पार्किंग सेंसर्स
ESP
हिल-होल्ड असिस्ट
टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS)

इंजन स्पेसिफिकेशन
इंजन
1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल
1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल
पावर
82 PS
110 PS
टॉर्क
115 Nm
190 Nm
ट्रांसमिशन
5-स्पीड MT
6-स्पीड MT. 6-स्पीड AT

3. MG Comet EV

कीमतः 8.20 लाख रुपये से शुरू (एक्स-शोरूम)

MG Comet EV यह पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार है। इसके मिड-स्पेक Excite वेरिएंट में 10.25 इंच का टचस्क्रीन प्रदान करती है। यह इन्फोटेनमेंट सिस्टम वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले को भी सपोर्ट करता है।

फीचर्स

10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले
कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी
कीलेस एंट्री
दो फ्रंट एयरबैग्स
ISOFIX चाइल्ड सीट एंकर
रिवर्स पार्किंग कैमरा और सेंसर्स

इंजन स्पेसिफिकेशन
बैटरी पैक
17.3 kWh
रेंज
230 km
पावर
42 PS
टॉर्क
110 Nm

4. Tata Punch

कीमतः 8.42 लाख रुपये से शुरू (एक्स-शोरूम)

Tata Punch एक माइक्रो SUV है। इसमें वही 10.25 इंच का टचस्क्रीन दिया गया है जो Tiago और Tiago EV में है। यह इसके मिड-स्पेक Accomplished Plus वेरिएंट से दिया जाता है।

फीचर्स

वायरलेस फोन चार्जर
स्वचालित AC
सिंगल-पेन सनरूफ
6-स्पीकर Harman Kardon साउंड सिस्टम
क्रूज़ कंट्रोल
स्टीयरिंग माउंटेड ऑडियो कंट्रोल्स
रियर AC वेंट्स
2 एयरबैग्स
ABS with EBD
रिवर्स पार्किंग कैमरा
TPMS
ISOFIX चाइल्ड सीट माउंट्स

इंजन स्पेसिफिकेशन
इंजन
1.2-लीटर पेट्रोल
1.2-लीटर पेट्रोल-CNG
पावर
88 PS
75.5 PS
टॉर्क
115 Nm
103 Nm
ट्रांसमिशन
5-स्पीड MT, 5-स्पीड AMT
5-स्पीड MT

5. Mahindra XUV 300

कीमतः 9.39 लाख रुपये से शुरू (एक्स-शोरूम)

Mahindra XUV 300 में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाता है, जो इसके लोअर-स्पेक MX2 Pro पेट्रोल और MX2 डीजल इंजन वेरिएंट्स में मिलता है। इसमें एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट केवल इसके हाई वेरिएंट्स में ही दिया जाता है।

फीचर्स

10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले
ड्यूल-ज़ोन AC
पैनोरामिक सनरूफ
6 एयरबैग्स
360-डिग्री कैमरा
एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम्स (ADAS)

इंजन स्पेसिफिकेशन
इंजन
1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल
1.2-लीटर T-GDi (टर्बो पेट्रोल)
1.5-लीटर डीजल
पावर
112 PS
130 PS
117 PS
टॉर्क
200 Nm
230 Nm
300 Nm
ट्रांसमिशन
6-स्पीड MT, 6-स्पीड AT
6-स्पीड MT, 6-स्पीड AT
6-स्पीड MT, 6-स्पीड AMT

समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित करना जरूरी

विजय गर्ग

अठाईस फरवरी को भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन की खोज व रमन प्रभाव को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। जिसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला था। यह दिन भविष्य में विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सन् 1928 की बात है, जब भारतीय वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकटरमन ने एक अभूतपूर्व खोज की। उन्होंने पाया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी माध्यम से गुजरता है, तो कुछ फोटॉनों की ऊर्जा में परिवर्तन हो जाता है। इस सिद्धांत को 'रमन प्रभाव' कहा गया और इससे भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में क्रांतिकारी परिवर्तन आए। इस खोज ने न केवल स्पेक्ट्रोस्कॉपी में नए द्वार खोले, बल्कि मेडिकल साइंस, विशेष रूप से जांच, दवा निर्माण और नैनो प्रौद्योगिकी, बायोटेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष अनुसंधान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यह खोज भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हुई, जिससे भारतीय वैज्ञानिकों में आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान की भावना विकसित हुई। इसके कारण भारत में विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान को एक नई दिशा मिली। साथ ही, इस उपलब्धि ने लोगों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और तर्कसंगत सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण रहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मान देने के लिए 1986 में भारत सरकार ने 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की। इसका उद्देश्य विज्ञान को जनजीवन से जोड़ना, आम जनता की भलाई के लिए विज्ञान की भूमिका को समझना और विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है।

आज विज्ञान का प्रभाव हमारे दैनिक जीवन के हर पहलू में देखा जा सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक्स-रे, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और रोबोटिक सर्जरी जैसी तकनीकों ने चिकित्सा को अत्याधुनिक बना दिया है। संचार क्रांति के कारण मोबाइल फोन, इंटरनेट, 5जी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने सूचना के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बना दिया है। खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में जीन संपादन, ड्रोन तकनीक और स्मार्ट इरिगेशन सिस्टम जैसी वैज्ञानिक उपलब्धियों ने खेती को अधिक टिकाऊ और कुशल बनाया है। परिवहन और अंतरिक्ष विज्ञान में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल ही में भारत के चंद्रयान-3 और गगनयान मिशन ने अंतरिक्ष में नई संभावनाओं को जन्म दिया। मिशन मंगल और अन्य अंतरिक्ष अभियानों ने भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई है।

भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। डॉ. विक्रम साराभाई, जिन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है, ने इसरो की स्थापना की और देश के अंतरिक्ष मिशनों की नींव रखी। मिसाइल मैन के रूप में प्रसिद्ध पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भी इस संस्थान के हिस्से रहे, जिन्होंने अग्नि एवं पृथ्वी जैसी उन्नत सैन्य मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई। डॉ. होमी भाभा ने भारत के परमाणु कार्यक्रम की दिशा तय की, जबकि डॉ. एम. विश्वेश्वरैया ने इंजीनियरिंग और जल प्रबंधन के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। आज इसरो, डीआरडीओ, सीएसआईआर जैसी संस्थाएं भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बना रही हैं।

हालांकि, विज्ञान ने दुनिया को आगे बढ़ाने में मदद की है, लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। वैज्ञानिक सोच का अभाव और अंधविश्वास समाज के विकास में बाधा डालते हैं। आज भी लोग बिना वैज्ञानिक आधार के कई धारणाओं को मानते हैं, जिससे समाज में रूढ़िवादिता बनी रहती है। इसे दूर करने के लिए वैज्ञानिक शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों को सशक्त करने के लिए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके अलावा, पर्यावरण और कृषि में विज्ञान के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। बायो-प्लास्टिक, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा जैसी तकनीकों को अपनाने से न केवल प्रदूषण की समस्या से निपटा जा सकता है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है। इसी तरह कृषि क्षेत्र में टिकाऊ खेती, जल संरक्षण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करके खाद्यान्न और पोषण के संकट से पार पा सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र पर बढ़ते दबाव को भी कम किया जा सकता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों को याद करने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अवसर भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में भारतीय युवाओं का सशक्तीकरण' रखा गया है। इस थीम का उद्देश्य भारतीय युवाओं को विज्ञान और नवाचार में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए सक्षम और प्रेरित करना है, ताकि भारत एक विकसित राष्ट्र बन सके।

भारत के चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। यह संस्थान न केवल उन्नत चिकित्सा सेवाओं और शोध कार्यों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहां कैंसर रिसर्च, जैव प्रौद्योगिकी, न्यूरोसाइंस, बायोफिजिक्स और जेनेटिक अध्ययन में भी अत्याधुनिक अनुसंधान किए जा रहे हैं। पीजीआईएमईआर में विकसित की जा रही नवीनतम चिकित्सा तकनीकें भारत को स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। हम विभिन्न उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर स्कूलों और कॉलेजों में विज्ञान प्रदर्शनियों और नवाचार प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देकर छात्रों को अनुसंधान और प्रयोगों के प्रति प्रेरित कर सकते हैं। मुख्य बात यह है कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे देश और समाज के विकास में प्रभावी रूप से प्रयोग किया जाना चाहिए

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

कहानी : रिश्ते की एक नई शुरुआत

विजय गर्ग

मेरी शादी एक ऐसे लड़के से हुई थी, जिसे मैं नहीं चाहती थी। वह सीधा-सादा इंसान था और उसके परिवार में सिर्फ उसकी मां थी। शादी में मेरे घरवालों ने दहेज के रूप में गाड़ी, गहने और पैसे दिए थे, लेकिन मेरा दिल किसी और के लिए धड़कता था। मजबूरी में ससुराल आना पड़ा, पर मन कहीं और ही अटका हुआ था। हर दिन बस उसी के बारे में सोचते हुए गुजर जाता था। सुहागरात के दिन जब मेरा पति दूध का गिलास लेकर आया, तो मैंने तंज कसते हुए कहा, ₹एक पत्नी की मर्जी के बिना पति उसे छुए तो इसे हक कहेंगे या बलात्कार ?₹ उसने मेरी बात पर कोई गुस्सा जाहिर नहीं किया, बस शांत स्वर में कहा, ₹आप इतनी गहरी बातें सोचने की जरूरत नहीं, बस दूध पी लीजिए। शुभ रात्रि।₹ और कमरे से बाहर चला गया। मुझे झगड़ा चाहिए था ताकि इस शादी से बाहर निकलने का बहाना मिल सके, लेकिन उसकी शांति और परिपक्वता ने मुझे रोक दिया।

मैंने ससुराल में कोई भी काम नहीं किया। दिनभर फोन में व्यस्त रहती, सोशल मीडिया पर समय बिताती और अपनी सासू मां को अकेले ही घर के सारे काम निपटाने देती। उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की। मेरे पति भी ज्यादा बात नहीं करते थे, लेकिन हर रात अपनी डायरी जरूर लिखते थे। शादी के एक महीने बीत गए और हम साथ नहीं सोए। एक दिन मैंने खाने की बुराई करते हुए उसे गुस्से में फेंक दिया। इस बार मेरे पति ने गुस्से में हाथ उठा लिया, लेकिन सासू मां ने तुरंत उन्हें रोक दिया। हालांकि, मुझे यह मौका मिल गया था घर छोड़ने का। मैं स्कूटी लेकर अपने पुराने प्यार से मिलने चली गई। जब मैंने उससे कहा कि मैं उससे शादी करना चाहती हूं, तो उसने साफ शब्दों में कहा, ₹अगर भागने का प्लान है तो कुछ पैसे और गहने भी साथ लाना।₹ उसकी इस बात ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया, लेकिन फिर भी मैं उससे जुड़ी रही और वापस घर लौट आई।

शाम को मैंने जानबूझकर अपने पति से झगड़ा किया और कमरे में जाकर खुद को बंद कर लिया। कुछ देर बाद वह दरवाजे के बाहर खड़े होकर बोले, ₹अलमारी की चाबी देना,₹ लेकिन मैंने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। जब काफी देर तक उन्होंने दरवाजा नहीं खटखटाया, तो मैंने अलमारी खोली और उसमें मेरी पासबुक, एटीएम कार्ड और गहने रखे हुए देखे। साथ ही, एक डायरी भी थी, जिसे देखकर मैं चौंक गई।

डायरी में मेरे पति ने लिखा था कि मेरे पिता ने कभी उनकी मां की जान बचाई थी, और इसलिए उन्होंने मेरे पापा का एहसान चुकाने के लिए यह शादी की थी। उन्होंने यह भी लिखा था कि उन्होंने मेरी खुशी के लिए घर की सारी संपत्ति मेरे नाम कर दी है। डायरी में आखिरी कुछ पंक्तियां थीं – ₹तुम आजाद हो, जब चाहो जा सकती हो। तलाक के पेपर तैयार हैं। मगर जब तुम सच्चे दिल से मेरे पास आओगी, तब तुम्हारा स्वागत करूंगा।₹

उन शब्दों ने मुझे अंदर तक झकझोर कर रख दिया। मुझे एहसास हुआ कि मैं किस तरह का अन्याय अपने पति और सासू मां के साथ कर रही थी। मैंने उसी वक्त फैसला कर लिया कि अब मैं इस रिश्ते को एक नया मौका दूंगी। अगले दिन मैंने साड़ी पहनी, लंबी सिंदूर लगाई और सासू मां को साथ लेकर पति के ऑफिस पहुंच गई। वहां सबके सामने मैंने कहा, ₹मैं इनकी पत्नी हूं और हम एक महीने की छुट्टी पर जा रहे हैं।₹ मेरे शब्द सुनकर पति मुस्कुरा दिए और हमने अपने रिश्ते की एक नई शुरुआत की।

यह कहानी सिखाती है कि प्यार और समझदारी से रिश्तों को नया जीवन दिया जा सकता है। माता-पिता के फैसलों का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि वे हमेशा हमारे भले के लिए ही सोचते हैं। रिश्तों को निभाने के लिए त्याग, समर्पण और सच्चे मन से प्रयास करना जरूरी होता है।

वाई-फाई की तरह सोलर पैनल का इस्तेमाल

विजय गर्ग

वाई-फाई की तरह सोलर पैनल का इस्तेमाल कर भी डाटा भेजा जा सकेगा। यह सुविधा सेना और दूरदराज व ग्रामीण इलाकों के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है।

आईआईआईटी ने विकसित की तकनीक

इसके लिए पॉलीक्रिस्टलाइन सोलर पैनल का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो आमतौर पर छतों पर लगाए जाते हैं। जहां भी डाटा भेजा जाएगा, वहां एलईडी और सामान्य बल्ब का इस्तेमाल कर डाटा प्राप्त किया जा सकेगा। इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) दिल्ली के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग ने यह तकनीक विकसित की है।

तीन साल से हो रहा इस तकनीक पर काम

विज्ञान की भाषा में इसे वाईफाई कहते हैं। बहुत जल्द इस तकनीक की पेटेंट प्रक्रिया को भी मंजूरी मिल जाएगी। तीन साल से इस तकनीक पर काम हो रहा है। लास्ट माइल कनेक्टिविटी यूजिंग सोलर पैनल एज ए डाटा रिसीवर नाम से किए जा रहे शोध को संस्थान के इनोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के प्रमुख प्रो. विवेक ए बोहरा और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन वाईफाई की उनकी टीम ने पूरा किया है, जिसमें दो छात्र संजय सिंह और रवि सैनी शामिल हैं।

तकनीक पर काम कर रहे मुख्य शोधकर्ता राहुल ने बताया कि ट्रांसमीटर और रिसीवर दोनों को डाटा भेजने में सक्षम बनाने के लिए एनालॉग सर्किट तैयार किया गया है। इसे सोलर पैनल के पीछे लगाया गया है। जहां से डाटा भेजा जा रहा है, वहां एक एलईडी के पीछे सर्किट लगाकर डाटा प्राप्त किया जा सकता है।

फिलहाल 10 मीटर के दायरे में होगा इस्तेमाल

10 मीटर के दायरे में डाटा ट्रांसफर किया जा सकेगा : फिलहाल इसका इस्तेमाल 10 मीटर के दायरे में वाईफाई की तरह किया जा सकेगा। इसकी रेंज बढ़ाने पर भी काम हो रहा है। राहुल ने बताया कि सबसे अहम चीज इंटरनेट की स्पीड है। जब तकनीक पर काम शुरू किया गया था, तब 1.5 एमबीपीएस की स्पीड मिल सकती थी।

स्पीड 18.8 एमबीपीएस तक

इसमें खास बैंडविड्थ इनहैंसमेंट सर्किट (बीईएस) का इस्तेमाल किया गया और अब इसकी स्पीड 18.8 एमबीपीएस तक मिल रही है। सोलर पैनल की बैंडविड्थ यानी फ्रीक्वेंसी कम होती है। इसलिए इसे बढ़ाने की जरूरत है।

अगर सामान्य की जगह ऑर्गेनिक और पेरोवस्काइट सोलर पैनल का इस्तेमाल किया जाए, तो बेहतर तरीके से डाटा भेजा जा सकेगा। इनकी क्वालिटी बेहतर होती है। ऑर्गेनिक सोलर पैनल का इस्तेमाल कर मोबाइल कवर पर छोटा सा एनालॉग सर्किट लगाकर दुनिया में कहीं भी डाटा का आदान-प्रदान किया जा सकेगा।

सैन्य क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी

प्रो. विवेक बोहरा ने कहा, सैन्य क्षेत्र में इस तकनीक का प्रयोग काफी मददगार होगा। क्योंकि कई जगह ऐसी हैं, जहां कृत्रिम बिजली उपलब्ध नहीं है। वहां सूर्य की रोशनी का उपयोग कर महत्वपूर्ण आंकड़ों का आदान-प्रदान किया जा सकता है। केंद्र सरकार ने भारत नेट जैसी योजनाओं के माध्यम से ग्राम पंचायतों तक इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि इस तकनीक का उपयोग करके सिर्फ ग्राम पंचायत ही नहीं, हर घर में इंटरनेट की सुविधा होगी। बस उन्हें छत पर सोलर पैनल लगाना होगा। यह एक महत्वपूर्ण अध्ययन है और इसे हाल ही में अमेरिका में आयोजित इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर्स (आईईईई) सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया और इसके जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

मानसिक सेहत के लिए लें रूटीन से ब्रेक

विजय गर्ग

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी बहुत जरूरी है। क्योंकि अगर किसी व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं है तो इसका असर उसके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी जरूर पड़ेगा। आज की तेजी से भागती इस दुनिया में हम सब पर कई तरह के दबाव बने रहते हैं। जैसे- अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव, सफल होने का दबाव, कुछ कर दिखाने का दबाव। इसके साथ ही परिवार को लेकर कोई दबाव या किसी रिश्ते में चल रही कलह को लेकर भी प्रेशर परेशानी की वजह बन सकता है। ऐसे में उपचार की शुरुआत जरूरी है जिसमें ब्रेक लेना भी फायदेमंद रहता है।

दरअसल जिंदगी में चल रही तमाम दिक्कतें हमारे मानसिक स्वास्थ्य यानी मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचाती हैं। हालांकि यह पता होना चाहिए कि आपका मेंटल हेल्थ कितना अच्छा है या बुरा है। यह भी कि मानसिक सेहत में बिगाड़ आने की स्थिति में किस स्तर पर यानी कब आपको विशेषज्ञ डॉक्टर से मदद लेनी चाहिए। क्योंकि समय पर इसकी पहचान नहीं करने से आपको कई गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं उन संकेतों के बारे में, जो यह बताते हैं कि आपका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है और आपको ब्रेक लेने की जरूरत है।

मानसिक सेहत के स्तर का अनुमान

पहले तो यह पता लगाया जाना जरूरी है कि आपका मेंटल हेल्थ ठीक है या खराब। यह आप कुछ प्रमुख लक्षणों से जान सकते हैं, जैसे -

हमेशा थका-थका महसूस करना

अगर आप हमेशा थके-थके रहते हैं और किसी बात को लेकर परेशान भी हैं तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपको अब मेंटल हेल्थ ब्रेक लेने की जरूरत है। ऐसी थकावट बर्नआउट की वजह बन सकती है, जिसके कारण आपके लिए कोई काम करना और अपना अच्छा प्रदर्शन करना मुश्किल हो सकता है।

चिड़चिड़ापन और मूडी होना

अगर आप अपने मूड में लगातार बदलाव देख रहे हैं या अक्सर चिड़चिड़ापन महसूस कर रहे हैं तो यह इस बात का संकेत है कि आपका मानसिक स्वास्थ्य खराब है और आप गंभीर तनाव में हैं। अगर आपको ऐसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो तुरंत एक मेंटल हेल्थ

ब्रेक लें। क्योंकि ऐसा न करने पर आपका मानसिक स्वास्थ्य लगातार बिगड़ सकता है, जिसका असर न केवल आपके काम पर पड़ेगा, बल्कि आपसे जुड़े रिश्तों पर भी पड़ेगा और तो और विवाद और गलतफहमियां भी पैदा होंगी।

बीमार महसूस करना

जब हमारा मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तो हमारा शरीर भी बीमार महसूस करने लगता है। सिरदर्द, मांसपेशियों में तनाव और पाचन से जुड़ी समस्याएं दिखाई देने लगती हैं। अगर आप बेवजह इन लक्षणों को अनुभव कर रहे हैं और किसी बात से परेशान हैं तो समझ जाएं कि आपको मेंटल हेल्थ ब्रेक लेने की जरूरत है।

सोने में मुश्किल

जब कोई व्यक्ति किसी बात से परेशान होता है या ज्यादा तनाव लेता है तो नींद अक्सर कहीं गायब हो जाती है। अगर आप पूरे दिन थके रहते हैं और फिर भी सोने में कठिनाई होती है तो यह इस बात का संकेत हैं कि आपको मेंटल हेल्थ ब्रेक लेने की जरूरत है।

फेवरेट काम भी बेकार लगना

अगर आप उन चीज़ों या कामों में अपना मन नहीं लगा पा रहे हैं जो आपको बेहद पसंद हैं तो तुरंत मेंटल हेल्थ ब्रेक लें। क्योंकि इंसान अपना मनपंसद काम तभी नजरअंदाज करता है जब उसका मानसिक स्वास्थ्य खराब होता है या उसे किसी बात का तनाव होता है।

बार-बार गलतियां करना

बार-बार गलतियां करना भी अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के संकेत नहीं हैं। अगर आप ये लक्षण खुद में देख रहे हैं तो तुरंत मेंटल हेल्थ ब्रेक लें

ब्लॉगर में नौकरी के अवसर और कैरियर विकल्प : विजय गर्ग

ब्लॉगर उन पाठकों के लिए विभिन्न विषयों पर लिखित रूप में एक पेशेवर उपयुक्त है जो टेक-प्रेमी हैं और नेट पर सब कुछ खोजते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ब्लॉगिंग और सोशल मीडिया के उतार-चढ़ाव के साथ, यह विश्व स्तर पर सबसे अधिक चुना करियर में से एक बन गया है और अक्सर स्व-रोजगार और उद्यमशीलता की श्रेणी को मानता है। उन ब्लॉगर को सफल माना जाता है जो अपने पाठकों को अपने विचारों, सादगी और उनके द्वारा लिखी गई जानकारी की स्पष्टता के साथ प्रभावित करने में सक्षम हैं। ब्लॉगर को न केवल लिखित रूप में, बल्कि ब्लॉगिंग के सभी पहलुओं में भी कुशल होने की उम्मीद है यानी लेखन और प्रकाशन, सामग्री विपणन, वर्ड प्रेस और उद्यमशीलता को कुछ नाम देने के लिए। ब्लॉगर हालांकि भारत में अपने नवजात चरण से बाहर है, युवा पीढ़ियों के लिए आने वाले वर्षों में अवसरों से भरा है। यह बहुत तेज और प्रभावी तरीके से जानकारी को कम करने में इसके उपयोग के कारण है। अच्छा प्रदर्शन करने के लिए एक ब्लॉगर को अंग्रेजी भाषा पर बहुत अच्छी पकड़ होनी चाहिए। उसके पास उस विषय के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए अच्छा शोध और संचार कौशल होना चाहिए, जिस पर वह काम कर रहा है। ब्लॉगर पात्रता की स्थिति शैक्षणिक योग्यता ब्लॉगर बनने के लिए कोई न्यूनतम शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, भाषा या जन संचार में मास्टर्स डिग्री निश्चित रूप से उस भाषा को कमांड करने में मदद करेगी जिसे एक ब्लॉग करने की योजना बना रहा है। कंप्यूटर और इंटरनेट का कार्य ज्ञान एक कुशल ब्लॉगर बनने के लिए एक अतिरिक्त लाभ हो सकता है। आयु सीमा ब्लॉगर बनने के लिए कोई न्यूनतम या अधिकतम आयु सीमा नहीं है। 10 साल के बच्चे से लेकर 555 वर्षीय सेवानिवृत्त व्यक्ति तक कोई भी अपनी लेखन क्षमता और विषय ज्ञान के आधार पर एक सफल ब्लॉगर बन सकता है। ब्लॉगर आवश्यक कौशल ब्लॉगर बनने के लिए आवश्यक सबसे महत्वपूर्ण कौशल लेखन स्वभाव है और कुछ ही समय में एक विषय से दूसरे विषय पर स्विच करने की क्षमता है। इसके अलावा, उन्हें उन विषयों के बारे में काफी अच्छा ज्ञान होना चाहिए, जिनके बारे में वे लिख रहे हैं, तभी वे उन चीजों के बारे में एक प्रभावी और व्यापक तरीके से लिख पाएंगे। उन्हें सरल भाषा में जटिल विषयों की व्याख्या करने के लिए कौशल भी होना चाहिए। सामग्री विपणन और व्यवसाय उद्यमिता और सोशल मीडिया के काम करने का ज्ञान एक सफल ब्लॉगर होने के लिए आवश्यक अन्य कौशल हैं। ब्लॉगर कैसे बनें? एक सफल ब्लॉगर बनने के लिए किसी को निम्नलिखित चरणों का पालन करना होगाः स्टेप 1 ब्लॉगर बनने के लिए औपचारिक शिक्षा की कोई आवश्यकता नहीं है। किसी भी या किसी भी या कुछ विशेष विषयों/क्षेत्र के ज्ञान लिखने के साथ उम्र या योग्यता के बावजूद एक

पेशे के रूप में ब्लॉगिंग शुरू करने के लिए पर्याप्त हो सकता है। हालांकि, एक पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री या डिप्लोमा सबसे अधिक अधिमानतः जन संचार में, अंग्रेजी और आईटी कौशल जैसी अच्छी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं का ज्ञान केवल सफल ब्लॉगर होने के लिए आवश्यक चीजें हैं। चरण दो एक सफल ब्लॉगर बनने के लिए आवश्यक वैकल्पिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद सभी की आवश्यकता है एक डोमेन नाम और होस्टिंग और वर्ड प्रेस या ब्लॉगर जैसे किसी भी लोकप्रिय ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म के साथ शुरू करने के लिए शिक्षा प्रदाताओं के लिए पाठ्यक्रम की पेशकश करने वाले संस्थान ऑनलाइन अभी कई संस्थान नहीं हैं जो विशेष रूप से ब्लॉगिंग के लिए पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। हालाँकि, एक लेखन कौशल को बढ़ावा देने के लिए मास कम्युनिकेशंस से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकता है जो एक सफल ब्लॉगर बनने के लिए प्रमुख आवश्यकता है। भारतीयमास कम्युनिकेशन इंस्टीट्यूट, दिल्ली पी जी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, एरोड ट्रायम्फ इंडिया लर्निंग एकेडमी, बैंगलोर TWB लर्निंग एजुकेशन पेज़, बैंगलोर ब्लॉगर नौकरी विवरण ब्लॉगर जॉब विवरण में न केवल ब्लॉग लिखना शामिल है, बल्कि विभिन्न साधनों और अपने स्वयं के उद्यमी कौशल को लागू करके सामग्री विपणन करके अपनी सामग्री को भी दिखाई दे रहा है। ऑनलाइन शिक्षा प्रदाता ब्लॉगर कैरियर की संभावनाएं करियर के रूप में ब्लॉगिंग अब अपने नवजात चरण से बाहर आ गई है। पिछले कुछ वर्षों में ब्लॉगिंग और सोशल-मीडिया के उतार-चढ़ाव ने ब्लॉगर्स की आकांक्षा के लिए रोजगार के विशाल अवसर खोले हैं। फ्रीलांसरों के रूप में शुरू करने और अपने स्वयं के पाठक आधार बनाने के अलावा कुशल ब्लॉगर के साथ काम करने के अवसर मिल सकते हैं: कॉर्पोरेट क्षेत्र जैसे विज्ञापन एजेंसियां, सॉफ्टवेयर विकासशील कंपनियां, उपभोक्ता उत्पाद कंपनियां और समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में उनकी ई-सेवाओं के लिए कंपनियों को आज की तकनीक-प्रेमी पीढ़ी तक पहुंचने के लिए ब्लॉगर्स की आवश्यकता होती है, जिससे संभावित ग्राहकों को नए उत्पादों और सेवाओं के बारे में समझने में मदद मिलती है जबकि समाचार पत्र और पत्रिकाएं अपने इलेक्ट्रॉनिक संस्करणों के लिए निर्दिष्ट क्षेत्रों के लिए लेख पूछती हैं। ब्लॉगर आय/वेतन कॉर्पोरेट क्षेत्र के लिए काम करने वाले ब्लॉगर के साथ शुरू करने के लिए Rs.25,000 से 30,000 रुपये के बीच कुछ भी उम्मीद कर सकते हैं। कुछ एक्सपोज़र और अनुभव प्राप्त करने के बाद वह प्रति माह 50,000 रुपये और अधिक के रूप में अच्छा कमा सकता है। हालाँकि, अगर कोई एक उद्यमी बनने का विकल्प चुनता है तो वह उतना ही कमा सकता है जितना वह एक बार क्षमता और पाठकों पर निर्भर होना चाहता है। संक्षेप में, एक कुशल ब्लॉगर के लिए असाधारण लेखन कौशल और उस क्षेत्र के ज्ञान के साथ आय की ऊपरी बिक्री नहीं है जिस पर वह काम कर रहा है।

शेयर बाजार में कोहराम, आर्थिक मंदी और महंगाई का भी खतरा; अब आगे क्या होगा?

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय शेयर बाजार 28 फरवरी 2025 को जबरदस्त गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 1414 अंक और निफ्टी 420 अंक लुढ़क गया। FII की बिकवाली ट्रंप की टैरिफ नीति और घरेलू आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते बाजार पर दबाव बढ़ा। रुपये में 28 पैसे की गिरावट आई जिससे महंगाई का खतरा बढ़ गया। टेक और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

नई दिल्ली। पहले से ही मंदी के थपेड़े झेल रहा देश का शेयर बाजार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से कनाडा, मैक्सिको, चीन समेत कई देशों के आयात पर पारस्परिक कर लगाने की संभावनाओं के मजबूत होते ही 28 फरवरी (शुक्रवार) को जबरदस्त मंदी के साथ बंद हुआ। मुंबई शेयर बाजार और निफ्टी का सूचकांक लगभग दो फीसद गिरावट के साथ बंद हुआ, जो पिछले 52 महीनों के इनके उच्चतम सूचकांकों से 15 फीसद कम है। सेंसेक्स 1414 अंकों की गिरावट के साथ 73,198 अंकों पर और एनएनई निफ्टी 420 अंकों की गिरावट के साथ 22,125 अंकों पर बंद हुआ।

बाजार की गिरावट में भारत की आर्थिक विकास दर को लेकर बनी अनिश्चितता और अमेरिका के विकास दर की उम्मीदों से कम होने का असर भी बताया जा रहा है।शेयर बाजार की मौजूदा गिरावटों के दौर के लिए विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की भारत से पैसे निकालने को दिया जा रहा है। इसका असर शुक्रवार को मुद्रा बाजार पर कुछ ज्यादा ही दिखा। डॉलर के मुकाबले रुपये 28 पैसे कमजोर हो कर 87.46 के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिका की नई सरकार की तरफ से कई देशों पर पारस्परिक शुल्क (जितना शुल्क दूसरे देश अमेरिकी उत्पादों पर लगाएंगे, अमेरिका भी इन देशों के आयात पर उतना ही लगाएगा) लगाने की नीति को लेकर भविष्य में डॉलर को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

रुपये में गिरावट रोकने की कोशिश

वैसे रुपये को स्थिर करने में आरबीआई की तरफ से मुद्रा बाजार में ज्यादा सक्रिय होने के भी संकेत है लेकिन साफ है कि इससे बात नहीं बन रही। डॉलर की कीमत की अनिश्चितता को देखते हुए आयातकों ने डॉलर जमा करना भी शुरू कर दिया है। रुपये की लगातार कमजोरी देश की इकोनमी की चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। इससे तेल आयात करना महंगा होता जा रहा है। भारत बड़े पैमाने पर उद्योग जगत के लिए कच्चे माल का आयात करता है जो महंगा हो रहा है। इससे घरेलू बाजार में महंगाई बढ़ने का खतरा है, इसकी तरफ विश्व बैंक ने शुक्रवार को भारतीय इकोनमी पर जारी एक रिपोर्ट में संकेत दिया है।

28 फरवरी, 2025 को सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयर भाव पर सबसे ज्यादा मार पड़ी है। वजह यह है कि अमेरिकी इकोनॉमी की विकास दर को लेकर जो रिपोर्ट आई है वह उम्मीद के मुताबिक नहीं है। इससे भारतीय आइटी कंपनियों के राजस्व पर उसर पड़ना संभव है। निफ्टी आइटी सूचकांक में चार फीसदी की गिरावट हुई है। टेक महिंद्राके शेयरों में छह फीसदी की गिरावट हुई है।

बड़ी कंपनियों का भाव आया काफी नीचे

वैसे भारती एयरटेल, महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाइटन, नेस्ले, मारुति जैसी तमाम दिग्गज कंपनियों के शेयर भाव काफी नीचे आ गये हैं। दक्षिण कोरिया, जापान, शंघाई, हांगकांग समेत अधिकांश एशियाई शेयर बाजारों ने मंदी की मार पड़ी है। एक दिन पहले ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि मैक्सिको व कनाडा पर 04 मार्च, 2025 के आयात पर ज्यादा कर लगाया जाएगा और चीन से आयात पर शुल्क की दर को दोगुना किया जाएगा।

कोई भी बाजार विशेषज्ञ साफ साफ यह बताने के लिए तैयार नहीं है कि आने वाले दिनों में क्या होगा। सैमको सिक्यूरिटीज के विश्लेषक धुपेश धमीजा का कहना है कि, "भारतीय शेयर बाजार में पिछले पांच महीनों से लगातार गिरावट है। हर महीने पिछले महीने से ज्यादा बिक्री हो रही है। इससे गिरावट को थामने का मौका नहीं मिल रहा। बाजार में पूरी तरह से मंदड़ियों के गिरफ्त में है। ऐसे में निवेशकों को बहुत ही ज्यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है। अगर निफ्टी 22 हजार के स्तर से भी नीचे जाती है तो और ज्यादा गिरावट हो सकती है।"

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट नागराज शेठ्ठी भी मानते हैं कि आने वाले हफ्तों में और गिरावट की संभावना है। दरअसल, जब तक अमेरिकी नीति की घोषणा और इसके असर को लेकर जारी अनिश्चितता खत्म नहीं हो जाती तब तक भारतीय शेयर बाजार दूसरे कई देशों के बाजारों की तरफ मंदी का खतरा बना रहेगा।

भारत की अर्थव्यवस्था में दिखी मजबूती, उम्मीद से बेहतर रही जीडीपी ग्रोथ

वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में भारत की GDP ग्रोथ 6.2% रही जो निर्माण और खनन क्षेत्रों की कमजोरी के कारण कम हुई। हालांकि दूसरी तिमाही के 5.6% से यह बेहतर है। NSO ने चालू वित्त वर्ष के लिए 6.5% विकास दर का अनुमान लगाया है। 2023-24 की GDP ग्रोथ को संशोधित कर 9.2% कर दिया गया है जो पहले 8.2% थी।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2024) में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.2% रही। यह कमी मुख्य रूप से निर्माण और खनन क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण आई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल इसी अवधि में 9.5% की वृद्धि दर्ज की गई थी। वहीं, मौजूदा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2024) में 5.6% की ग्रोथ हुई थी। जीडीपी ग्रोथ का डेटा बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने सालाना आधार पर कमजोर प्रदर्शन किया है। हालांकि, तिमाही आधार पर इसमें रिवाइल और मजबूती के संकेत नजर आ रहे हैं। NSO ने 2024-25 के लिए विकास दर 6.5% रहने का अनुमान लगाया है। जनवरी 2025 में जारी पहली अग्रिम अनुमान में इसे 6.4% आंका गया था। साथ ही, 2023-24 के लिए GDP वृद्धि दर को संशोधित कर 9.2% कर दिया गया है, जो पहले 8.2% आंकी गई थी। मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही की जीडीपी ग्रोथ आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान के अनुसार ही है। लेकिन जुलाई-सितंबर तिमाही के संशोधित 5.6 फीसदी की वृद्धि दर से अधिक है। इकोनॉमिक एक्सपर्ट का अनुमान था कि सरकार के बढ़ते खर्च और शहरी खपत में सुधार के कारण मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में GDP ग्रोथ 6.2 से 6.3 फीसदी के बीच रह सकती है।

2047 तक 'विकसित' हो पाएगा भारत? क्या कहती है वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत को 2047 तक हाई-इनकम देश बनने के लिए 7.8% की वार्षिक जीडीपी ग्रोथ बनाए रखनी होगी। यह लक्ष्य पाने के लिए भारत को निवेश बढ़ाने श्रम और भूमि सुधार लागू करने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और आर्थिक सुधारों को तेज करने की जरूरत होगी। रिपोर्ट बताती है कि मौजूदा नीतियों से यह संभव नहीं है व्यापक सुधार ही इसे हकीकत बना सकते हैं।

नई दिल्ली। भारत का सपना है कि 2047 तक वह एक उच्च आय वाला (High-Income) विकसित देश बन जाए। लेकिन, क्या यह इतना आसान है? वर्ल्ड बैंक की लेटेस्ट रिपोर्ट बताती है कि इस लक्ष्य को पाने के लिए भारत को औसतन 7.8% की सालाना जीडीपी ग्रोथ बनाए रखनी होगी।

भारत 2000 से 2024 के बीच औसतन 6.3% की विकास दर हासिल कर चुका है। हालांकि, आगे का सफर मुश्किल हो सकता है। वर्ल्ड बैंक ने अपनी रिपोर्ट ₹Becoming a High-Income Economy in a Generation₹ में कहा है कि भारत को अपनी वित्तीय नीतियों में सुधार करने होंगे। साथ ही, श्रम (Labour) और भूमि (Land) से जुड़े नियमों को और लचीला बनाना होगा। ग्लोबल मार्केट से खुद को बेहतर तरीके से जोड़ना होगा।

भारत हाई-इनकम देश बन सकता है?

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट साफ कहती है कि भारत अपने मौजूदा तरीके से आगे बढ़ता रहा, तो 2047 तक हाई-इनकम देश बनने का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाएगा। इसके लिए ग्रोथ की रफ्तार तेज करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2047 तक भारत को अपनी प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI per capita) को 8 गुना तक बढ़ाना होगा। इतनी ऊंची विकास दर को अगले 20 साल तक बनाए रखना होगा, जो अब तक बहुत कम देशों ने किया है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बनी हुई है, इसलिए भारत को सिर्फ मौजूदा सुधारों को बनाए रखने से काम नहीं चलेगा, बल्कि और अधिक सुधार करने होंगे।

भारत के लिए कौन से सुधार जरूरी?

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने कई अहम सुधार किए हैं। जैसे कि भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में प्रयास, इन्फ्रास्ट्रक्चर में बड़े निवेश, डिजिटलीकरण को बढ़ावा, मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता को मजबूत करना। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, ये सुधार ही काफी नहीं हैं। अगर भारत को 2047 तक हाई-इनकम देश बनना है, तो सुधारों की रफ्तार और तेज करनी होगी।

वर्ल्ड बैंक ने बताए 4 अहम सुधार क्षेत्र

वर्ल्ड बैंक का कहना है कि साल 2047 तक विकसित होने के लिए भारत को चार अहम सुधार करने होंगे।

निवेश को बढ़ानाः बुनियादी ढांचे और उद्योगों में ज्यादा पूंजी झोंकनी होगी।

संरचनात्मक परिवर्तन (Structural Transformation): पारंपरिक क्षेत्रों से नई तकनीकों की ओर शिफ्ट होना होगा।

रोजगार सृजनः बेहतर नौकरियां पैदा करनी होंगी और ज्यादा संख्या में करनी होगी।

महिलाओं की भागीदारीः भारत को महिला श्रम भागीदारी दर 35.6% से बढ़ाकर 50% करनी होगी।

वर्ल्ड बैंक के भारत कंट्री डायरेक्टर ऑगस्ट तानो कौमे (Auguste Tano Kouame) के मुताबिक, चिली, कोरिया और पोलैंड जैसे देशों से भारत को सीख लेनी होगी कि उन्होंने किस तरह मिड-इनकम से हाई-इनकम ग्रुप में छलांग लगाई।

भारत की अब तक की ग्रोथ कितनी रही?

2000 से अब तक भारत की अर्थव्यवस्था 4 गुना बढ़ी है।

GDP प्रति व्यक्ति आय (Per Capita GDP) लगभग तीन गुना हो चुकी है।

भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 1.6% (2000) से बढ़कर 3.4% (2023) हो गई है।

भारत आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

यह साफ है कि भारत की अब तक की यात्रा बेहद शानदार रही है, लेकिन 2047 तक हाई-इनकम देश बनने का सफर आसान नहीं होगा।

कितनी हो सकती है भारत की ग्रोथ?

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी ग्रोथ ग्रोथ के तीन अनुमान है। भारत किस दर से विकास करेगा, यह काफी हद तक उसके नीतिगत सुधार पर निर्भर करेगा।

सामान्य विकास (Baseline Growth): भारत की मौजूदा नीतियों के साथ 6-6.5% की ग्रोथ बनी रहेगी, लेकिन यह हाई-इनकम ग्रुप तक पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं होगी।

मध्यम गति से सुधार (Moderate Reforms): कुछ अतिरिक्त सुधारों के साथ विकास दर 7% के आसपास रह सकती है।

तेज रफ्तार सुधार (Accelerated Reforms): अगर भारत बड़े पैमाने पर सुधार करता है, तो 7.8% या उससे अधिक की विकास दर हासिल कर सकता है।

2047 तक भारत को क्या करना होगा?

शिक्षा और कौशल विकास में निवेश बढ़ाना होगा।

व्यापार नियमों को सरल और लचीला बनाना होगा।

निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहन देना होगा।

महिलाओं को कार्यबल में लाने के लिए सामाजिक और आर्थिक नीतियों में बदलाव करना होगा।

डिजिटल और ग्रीन टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग करना होगा।

भारत ने अब तक आर्थिक सुधारों की जो गति दिखाई है, वह भविष्य के लिए मजबूत नींव रखती है। लेकिन अगर भारत को 2047 तक हाई-इनकम देश बनना है, तो मौजूदा सुधारों को और तेज करना होगा और वैश्विक स्तर पर खुद को और मजबूत करना होगा। वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट भारत के लिए ₹चेतावनी₹ से अधिक ₹संभावना₹ की तरह है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि अगर भारत जरूरी सुधार करे, तो 2047 तक उच्च आय वाला (High-Income) देश बन सकता है।

मार्च में कुल 14 दिन बंद रहेंगे बैंक

मार्च 2025 में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे जिसमें सार्वजनिक क्षेत्रीय अवकाश और साप्ताहिक छुट्टियां शामिल हैं। आरबीआई ने यह सूची जारी की है जिसमें होली रमजान शब-ए-कद्र बिहार दिवस जैसे त्योहारों पर बैंक बंद रहेंगे। बैंक हॉलिडे के दौरान नेट बैंकिंग यूपीआई और एटीएम सेवाएं चालू रहेंगी लेकिन चेक जमा और कैश ट्रांजैक्शन पहले निपटाने की सलाह दी जाती है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मार्च महीने के लिए बैंक छुट्टियों की सूची जारी कर दी है। आरबीआई हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। इनमें सार्वजनिक अवकाश, क्षेत्रीय अवकाश और नियमित अवकाश (दूसरे और चौथे शनिवार के साथ सभी रविवार) शामिल हैं। राज्य-विशेष त्योहारों के दौरान बैंक केवल संबंधित राज्यों में बंद रहेंगे। वहीं, होली और रमजान जैसे प्रमुख त्योहारों पर अधिकांश राज्यों में बैंक अवकाश रहेगा।

आरबीआई हर महीने बैंक अवकाश की सूची तैयार करता है। इससे तीन कैटेगरी में नोटिफाइड किया जाता हैः नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट हॉलिडे, रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट हॉलिडे, और बैंक क्लोजिंग ऑफ अकाउंट्स।

मार्च 2025 के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अवकाश की लिस्ट

मार्च 2 (रविवार) – साप्ताहिक अवकाश

मार्च 7 (शुक्रवार) – चापचार कुट (मिजोरम में बैंक बंद)

मार्च 8 (दूसरा शनिवार) – साप्ताहिक अवकाश

मार्च 9 (रविवार) – साप्ताहिक अवकाश

मार्च 13 (गुरुवार) – होलिका दहन और अट्टुकल पोंगाला (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और केरल में बैंक बंद)

मार्च 14 (शुक्रवार) – होली (धुलेटी/धुलंडी/डोल जात्रा) (अधिकांश राज्यों में सार्वजनिक अवकाश, त्रिपुरा, ओडिशा, कर्नाटक, तमिलनाडु, मणिपुर, केरल और नागालैंड को छोड़कर)

मार्च 15 (शनिवार) – चुनिंदा राज्यों में होली अवकाश (अगरतला, भुवनेश्वर, इम्फाल और पटना में बैंक बंद)

मार्च 16 (रविवार) – साप्ताहिक अवकाश

मार्च 22 (चौथा शनिवार) – साप्ताहिक अवकाश और बिहार दिवस

मार्च 23 (रविवार) – साप्ताहिक अवकाश

मार्च 27 (गुरुवार) – शब-ए-कद्र (जम्मू में बैंक बंद)

मार्च 28 (शुक्रवार) – जुमा-तुल-विदा (जम्मू और कश्मीर में बैंक बंद)

मार्च 30 (रविवार) – साप्ताहिक अवकाश

मार्च 31 (सोमवार) – रमजान-ईद (ईद-उल-फितर) (अधिकांश राज्यों में सार्वजनिक अवकाश, मिजोरम और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर)

ईपीएफओ का ब्याज दर पर आया फैसला; राहत मिली या फिर

परिवहन विशेष न्यूज

ईपीएफओ ने 2024-25 के लिए EPF पर 8.25% ब्याज दर बरकरार रखी है जिससे 7 करोड़ से अधिक खाताधारकों को राहत मिली। CBT ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब इसे वित्त मंत्रालय के पास भेजा जाएगा। हालांकि पिछले वर्षों में ब्याज दरों में गिरावट आई है लेकिन 8.25% को मौजूदा आर्थिक हालात में संतोषजनक रिटर्न माना जा रहा है।

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पीएफ (EPF) पर 8.25% ब्याज देने का फैसला किया है। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब ब्याज दर को 8.25% पर स्थिर रखा गया है। इसका मतलब है कि सात करोड़ से अधिक खाताधारकों को पिछले साल जितना ही ब्याज मिलेगा।

PF ब्याजः कब, कितनी रही दर?

पिछले कुछ वर्षों में EPF ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। आइए जानते हैं कि यह

किस साल में कितनी रहीः

2023-24: 8.25%

2022-23: 8.15%

2021-22: 8.1% (पिछले 40 सालों में सबसे कम)

2020-21: 8.5%

2019-20: 8.5%

2018-19 में 8.65%

अब आगे क्या होगा?

EPFO के निर्णय लेने वाले सर्वोच्च निकाय सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (CBT) ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है। अब यह प्रस्ताव वित्त मंत्रालय के पास भेजा जाएगा, जिसकी मंजूरी के बाद खाताधारकों के PF अकाउंट में ब्याज की रकम ट्रांसफर कर दी जाएगी।

इस फैसले का कर्मचारियों पर असर

EPFO ने ब्याज दर भले ही नहीं बढ़ाई, लेकिन उसने इसमें कोई कटौती भी नहीं की है। आरबीआई के रेपो रेट में कटौती के बाद आशंका जताई जा रही थी कि EPFO भी ब्याज दरों में कुछ कटौती कर सकता है। ऐसे में ब्याज दरों को स्थिर रखना भी करोड़ों नौकरीपेशा लोगों के लिए राहत भरा फैसला है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में ब्याज दरों में गिरावट आई है, फिर भी 8.25% की दर को मौजूदा आर्थिक हालात में संतोषजनक रिटर्न माना जा रहा है।

पांच साल में 100 अरब डॉलर का होगा रिटेल कारोबार, 7.3 लाख करोड़ डॉलर की होगी इकोनॉमी, रिपोर्ट में और क्या है दावा?

पांच साल में रिटेल कारोबार में 100 अरब डॉलर की बढ़ोतरी का अनुमान जताया गया है। वहीं डेलॉयट और आरएआई की रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन कारोबार 103 अरब डॉलर से बढ़कर 325 अरब डॉलर का होगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि आगामी पांच साल में यानी 2030 तक हमारे देश की अर्थव्यवस्था 7.3 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी।

नई दिल्ली। डेलॉयट और रिटेल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) का मानना है कि वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 7.3 लाख करोड़ डॉलर का हो जाएगा और इसका फायदा संगठित खुदरा व्यापार को काफी अधिक मिलने वाला है। फूड इंडस्ट्री से लेकर गारमेंट, फुटवियर, एसी, फ्रिज, टीवी जैसी उपभोक्ता वस्तुओं के साथ कार, मोटर साइकिल जैसे आइटम के कारोबार में भी बढ़ोतरी होगी। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने से वर्ष 2030 तक प्रति व्यक्ति सालाना आय 3.40 लाख रुपए (4000 डालर) होने का अनुमान है। डेलॉयट और आरएआई की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक निजी उपभोग में होने वाली बढ़ोतरी से वर्ष 2030 तक संगठित रिटेल का कारोबार 230 अरब डॉलर का हो जाएगा जो अभी 132 अरब डॉलर का है।

रिटेल कारोबार हर साल 10 फीसदी बढ़ने का अनुमान

हर साल संगठित रिटेल कारोबार में 10 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। ऑनलाइन कारोबार में अगले पांच साल में औसतन 21 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी होगी और इसका कारोबार 103 अरब डॉलर से बढ़कर 325 अरब डॉलर का हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी होने पर वहां निजी उपभोग में बढ़ोतरी होती है और बचत में कमी आती है।

तुहिन कांत पांडे सेबी प्रमुख नियुक्त, तीन साल होगा कार्यकाल

केंद्र ने गुरुवार को वर्तमान वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे को बाजार नियामक सेबी के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया जो माधबी पुरी बुच की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल महीने के अंत में समाप्त हो रहा है। एक सरकारी आदेश के अनुसार वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे को 3 साल के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

नई दिल्ली। तुहिन कांत पांडे को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष होंगे। वह मौजूदा अध्यक्ष माधवी पुरी बुच का स्थान लेंगे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। पांडे का कार्यकाल तीन साल का होगा। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय ने नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

ओडिशा कैडर के आइएएस हैं तुहिन कांत पांडे

1987 बैच के प्रशासनिक अधिकारी तुहिन कांत पांडे फिलहाल वित्त मंत्रालय में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। वे ओडिशा कैडर के आइएएस हैं। तुहिन कांत पांडे को नौ जनवरी को अरुणीश चावला की जगह वित्त सचिव बनाया गया था। इस पद पर पांडे की नियुक्ति आम बजट से करीब तीन सप्ताह पहले की गई थी। बजट बनाने में वित्त सचिव की बहुत बड़ी भूमिका होती है। हालांकि इनके पास राजस्व सचिव का भी प्रभार है।

माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त हो रहा है

वर्तमान सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को समाप्त हो रहा है। उन्होंने दो मार्च, 2022 को तीन साल के कार्यकाल के लिए पदभार संभाला था। बुच सेबी की पहली महिला प्रमुख थीं। बुच ने अजय त्यागी का स्थान लिया था। अजय त्यागी मार्च 2017 से फरवरी 2022 तक पांच साल तक सेवा की। उनसे पहले यूके सिन्हा ने सेबी के नेतृत्व में लगातार विस्तारित कार्यकाल में छह साल तक पद संभाला था।

राज्य के लोगों को बताएं कि आप भुवनेश्वर हवाई अड्डे को पट्टे पर क्यों दे रहे हैं?

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: भुवनेश्वर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का जल्द ही निजीकरण किया जाएगा। राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन नीति के तहत अगले वित्त वर्ष में 13 छोटे हवाई अड्डों को 50 साल की लीज पर निजी कंपनियों को सौंप दिया जाएगा। बीजद और कांग्रेस पहले से ही बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निजीकरण का विरोध कर रहे हैं।अब जब यह प्रक्रिया शुरू हो गई है तो आम लोगों में तीव्र असंतोष व्याप्त है। विशेषज्ञों की शिकायत है कि लाभ कमाने वाले हवाई अड्डों का निजीकरण उचित नहीं है। केंद्र सरकार को यह सार्वजनिक करना चाहिए कि वह ऐसे कदम क्यों उठा रही है। केंद्र निजीकरण की लत से ग्रस्त है। एक के बाद एक राष्ट्रीय परिसंपत्तियों को कुछ खास पूंजीपतियों के हाथों में हस्तांतरित करने के प्रयास चल रहे हैं। भुवनेश्वर बीजू पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का जल्द ही निजीकरण किया जाएगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी है। राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन योजना के तहत देश के 25 बड़े और छोटे हवाई अड्डों का प्रबंधन दायित्व वर्ष 2022 से 2025 के बीच निजी-सार्वजनिक भागीदारी मोड में 50 वर्ष के पट्टे पर सौंपने का नीतिगत निर्णय लिया गया। इसमें भुवनेश्वर हवाई अड्डा भी शामिल था। जिसका बीजद और कांग्रेस कड़ा विरोध कर रहे हैं।सूत्रों से पता चला है कि केंद्र सरकार ने कैबिनेट नोट तैयार कर लिया है और तीसरे चरण में 10 से अधिक हवाई अड्डों के निजीकरण के लिए बोली प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्रियों और बुद्धिजीवियों ने केंद्र सरकार के इस कदम की कड़ी निंदा की है। यह आरोप लगाया गया है कि भुवनेश्वर हवाई अड्डे का अधिग्रहण करते समय केंद्र सरकार इसे एक निजी कंपनी को सौंप रही है, जिससे यह साबित हो रहा है कि वह इसे स्वयं प्रबंधित करने में असमर्थ है।

यह एक बड़े पैमाने का केन्द्रीय बजट है। लेकिन ऋष्ण और राष्ट्रीय परिसंपत्तियों से पूंजी निकालकर धन जुटाने पर जोर दिया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में परिसंपत्ति मौद्रीकरण के लिए अगले वित्त वर्ष तक 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका मतलब यह है कि केंद्र सरकार किसी भी तरह से अपनी जिम्मेदारी से बचकर राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी हाथों में सौंप देगी और उनसे रॉयल्टी वसूलेगी। इस योजना के तहत हवाई अड्डे का स्वामित्व सरकार के पास रहेगा। केंद्र सरकार को राज्य के लोगों को इस बात की जानकारी देनी चाहिए कि इससे ओडिशा के लोगों को क्या लाभ होगा।

ब्लॉक अध्यक्ष ने पत्रकार से की बदसलूकी

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर: बलियंटा पंचायत समिति परिसर में दूसरे दिन पत्रकारों की धारणा बलियंटा/बलिअंटा बाजार, 24/2 बलियंटा पंचायत समिति की बैठक से सभी मीडिया प्रतिनिधियों को निष्कासित किये जाने के विरोध में प्रखंड परिसर में प्रखंड अध्यक्ष बसंती खटुआ के खिलाफ चल रहा धरना आज दूसरे दिन में प्रवेश कर गया। हालांकि, ब्लॉक समूह विकास अधिकारी, जयदेव विधायक या ब्लॉक अध्यक्ष मीडिया प्रतिनिधियों के साथ इस मामले पर चर्चा करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर नहीं आने से असंतोष बढ़ रहा है। दूसरी ओर, आज उत्कल पत्रकार संघ के अध्यक्ष विभूतिभूषण कर, जिला संपादक जितेंद्र कुमार मोहंती और सांगठनिक संपादक जतिन सेंधा ने कहा है कि जब तक मुख्य विचार सही जगह नहीं पहुंच जाता और उसे उचित सम्मान नहीं मिल जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और उन्होंने इस संबंध में कार्रवाई की मांग की है। इसी तरह प्रमुख नेतृत्व की बैठक में पहुंचे सामाजिक कार्यकर्ता सत्य प्रिय बेहरा, जयदेव के पूर्व विधायक डॉ. अरविंद तचालिया, भाजपा नेता प्रदीप मोहंती और कांग्रेस नेता बेनुधर भोई तथा प्रकृति प्रेमी दीनबंधु भोई ने कहा कि इस तरह के मुद्दे बेहद निंदनीय हैं और क्षेत्र के विकास के लिए शुभ नहीं हैं। बलियांटा, बालीपटना, नियाली, धौली, पहल, नाकारा और पिपिली क्षेत्रों के 50 से अधिक पत्रकारों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। दूसरी ओर, यह निर्णय लिया गया कि जब तक खोरधा के जिलाधिकारी और पंचायती राज विभाग के मंत्री वार्ता के लिए कार्यक्रम स्थल पर नहीं आते, तब तक धरना जारी रहेगा। इस संबंध में शिकायत ईमेल के माध्यम से खोरधा जिला मजिस्ट्रेट को भेज दी गई है और बलियंटा पुलिस स्टेशन अधिकारी के उद्देश्य के लिए एसआई मानस मलिक को सौंप दी गई है। गौरतलब है कि कल बलियंटा पंचायत समिति की तीसरी बैठक में भाग लेने के लिए ब्लॉक प्रशासन की ओर से पत्र भेजा गया था। हालाँकि, बैठक समाप्त होने के बाद अध्यक्ष श्रीमती सथुआ ने घोषणा की कि वे जा रहे हैं।

जीवन साथी से अलगाव मुश्किल और पीढ़ादायक हो सकता है....

जीवनसाथी से अलगाव के बाद जीवन में एक बड़ा बदलाव आता है, अलगाव के कोई भी कारण हो सकते हैं,और यह बहुत मुश्किल और पीढ़ादायक हो सकता है। इसलिए, समय रहते ही जीवनसाथी की कद्र करना और उनके साथ खुशहाल जीवन जीना बहुत महत्वपूर्ण है।

जीवन वास्तव में बहुत लंबा नहीं है, और तन्हा जिंदगी जीना बहुत मुश्किल हो सकता है। या होता है।इसलिए, अपने जीवनसाथी के साथ अच्छे संबंध बनाने और उनके साथ ख़ुशहाल जीवन जीने के लिए समय रहते ही प्रयास करना चाहिए। ये बात सही है कि हमारे पास समय कितना है? बचपन, जवानी, बुढ़ापा, और मृत्यु - बस यही जीवन है। इसलिए, एक दूसरे का सहारा बनकर और अपने जीवनसाथी के साथ ख़ुशहाल जीवन जीने के लिए समय रहते ही प्रयास करना चाहिए। टाइम इस मनी ,इस सेंटेंस को कितनी बार पढ़ा है हमने ,लेकिन क्या इसको हमने आत्मसात किया है, विचारणीय विषय है ये।

यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण संदेश है जो हमें अपने जीवनसाथी की क़द्र करने और उनके साथ ख़ुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। यहाँ कुछ और बिंदु हैं जो आपको अपने जीवनसाथी के साथ ख़ुशहाल जीवन जीने में मदद कर सकते हैं।

1.संवाद, अपने जीवनसाथी के साथ खुलकर और ईमानदारी से संवाद करें। अपने विचारों, भावनाओं, और जरूरतों को व्यक्त करें।

२. सम्मान,अपने जीवनसाथी का सम्मान करें और उनकी भावनाओं का ख्याल रखें।

३.विश्वास, अपने जीवनसाथी पर विश्वास करें और उनकी ईमानदारी का सम्मान करें।

4. सहयोग, अपने जीवनसाथी के साथ सहयोग करें और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करें।

5. प्यार और स्नेह,अपने जीवनसाथी के प्रति प्यार और स्नेह दिखाएं और उनके साथ रोमांटिक पल बिताएं।

6. समय बिताना,अपने जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए प्रयास करें और उनके साथ गतिविधियों में भाग लें।

7.समस्याओं का समाधान, अपने जीवनसाथी के साथ समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रयास करें और उन्हें सुलझाने में मदद करें।

8. आभार, अपने जीवनसाथी के प्रति आभार दिखाएं और उनके योगदान को मान्यता दें।

9.व्यक्तिगत स्पेस,अपने जीवनसाथी को व्यक्तिगत स्पेस दें और उनकी ज़रूरतों का सम्मान करें।

10. प्रेम और समर्थन,अपने जीवनसाथी को प्रेम और समर्थन दें और उनके साथ एक मजबूत और स्वस्थ रिश्ता बनाएं।

अपने जीवनसाथी के साथ एक ख़ुशहाल और स्वस्थ रिश्ता बना सकते हैं।जीवन सिर्फ़ एक क्षण है,इसकी क़ीमत करनी ही होगी।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज
हरदा मध्य प्रदेश

विश्व नागरिक सुरक्षा दिवसः सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, अनिवार्यता है

हर वर्ष 1 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक संकल्प है—एक सुरक्षित समाज, सतर्क नागरिकों और सुनियोजित आपदा प्रबंधन की ओर बढ़ता हुआ कदम। यह दिवस उन वीर सुरक्षा कर्मियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर है, जो प्राकृतिक आपदाओं से लेकर मानव-निर्मित संकटों तक, हर परिस्थिति में अपनी जान की बाज़ी लगाकर लोगों की रक्षा करते हैं। २०२५ का थीम, "नागरिक सुरक्षा, जनसंख्या के लिए सुरक्षा की गारंटी", हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक हैं? क्या हमारी व्यवस्थाएं इतनी सक्षम हैं कि हर नागरिक को यह भरोसा दिला सकें कि किसी भी आपदा की घड़ी में उसकी सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की जा सकती है? यह सिर्फ एक विषय नहीं, बल्कि एक गंभीर चिंतन है, जो हमें नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करता है।

नागरिक सुरक्षा केवल आपदा प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की प्रक्रिया है। वर्तमान युग में जहां प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ रही है और मानव-निर्मित खतरों का दायरा व्यापक होता जा रहा है, वहां नागरिक सुरक्षा की अवधारणा और भी प्रासंगिक हो जाती है। भूकंप, बाढ़, चक्रवात, सुनामी, महामारी, औद्योगिक दुर्घटनाएं, आतंकी हमले और साइबर अपराध जैसी चुनौतियां समाज को अस्थिर कर सकती हैं। ऐसे में नागरिक सुरक्षा तंत्र की मजबूत नींव आवश्यक हो जाती है, जो संकट की घड़ी में सहयोग, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित कर सके।

यह दिवस हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या हमारी सुरक्षा प्रणाली इतनी सक्षम है कि वह किसी भी आपदा की स्थिति में जनसंख्या की रक्षा की गारंटी दे सके? २०२५ के इस थीम का सार यही है कि सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब कोई संकट आता है, तब सुरक्षा तंत्र की प्रभावशीलता की असली परीक्षा होती है। आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा की योजनाएं तभी सार्थक होती हैं जब वे धरातल पर कारगर सिद्ध हों और प्रत्येक नागरिक को यह विश्वास दिला सकें कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में नागरिक सुरक्षा की चुनौतियां भी कई गुना अधिक हैं। घनी आबादी, भौगोलिक विविधता, जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण ने सुरक्षा को और जटिल बना दिया है। इस परिदृश्य में, आपदा प्रबंधन अधिनियम, २००५ के तहत राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMA) जैसे संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इन संगठनों ने समय-समय पर यह सिद्ध किया है कि सुनियोजित रणनीति, त्वरित बचाव अभियान और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से आपदाओं के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सकता है।

तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने नागरिक सुरक्षा को एक नया आयाम दिया है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), बिग डेटा, ड्रोन सर्विलांस, सैटेलाइट इमेजिंग और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी तकनीकों के माध्यम से सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सकता है। आधुनिक चेतावनी प्रणाली, रियल-टाइम डाटा विश्लेषण और आपातकालीन मोबाइल एप्स ने आपदा प्रबंधन को और प्रभावी बना दिया है। उदाहरण के लिए, बाढ़ और चक्रवात जैसी आपदाओं की पूर्व सूचना के आधार पर हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसी प्रकार, साइबर सुरक्षा भी नागरिक सुरक्षा का एक अभिन्न अंग बन चुकी है, क्योंकि डिजिटल दुनिया में डेटा चोरी और ऑनलाइन फ्रॉड जैसी घटनाएं व्यक्तिगत और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं।

नागरिक सुरक्षा केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रह सकती, इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अनिवार्य है। जागरूकता, सतर्कता और आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति तैयार रहने की प्रवृत्ति विकसित करना आवश्यक है। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अनिवार्य किया जाना चाहिए ताकि लोग संकट की घड़ी में घबराने की बजाय त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया दे सकें। नागरिक सुरक्षा के तहत प्राथमिक उपचार, अग्निशमन तकनीकों, निकासी योजनाओं और आत्मरक्षा कौशल पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि हर व्यक्ति स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा संगठन (ICDO) द्वारा यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि दुनिया भर में आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित किया जाए। विभिन्न देशों के बीच सुरक्षा उपायों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आपदा प्रबंधन रणनीतियों का आदान-प्रदान आवश्यक है ताकि हम वैश्विक स्तर पर नागरिक सुरक्षा को प्रभावी बना सकें।

भारत में, हाल के वर्षों में आपदा पूर्वानुमान प्रणाली, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और हरित तकनीकों के माध्यम से नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयास किए गए हैं। उदाहरण के लिए, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बाढ़ चेतावनी प्रणाली विकसित की गई है, जिससे संभावित बाढ़ के पूर्वानुमान के आधार पर हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। इसी तरह, भूकंप-रोधी भवनों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि एक जागरूकता अभियान है जो हमें सतर्क रहने और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देता है। हमें यह समझना होगा कि सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। जब तक हम व्यक्तिगत स्तर पर सतर्क नहीं रहेंगे, तब तक किसी भी सुरक्षा प्रणाली की सफलता अधूरी ही रहेगी।

"नागरिक सुरक्षा, जनसंख्या के लिए सुरक्षा की गारंटी" केवल एक संदेश नहीं, बल्कि एक बुलंद आवाज़ है जो हमें आगाह करती है कि सुरक्षा किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबका सामूहिक कर्तव्य है। एक जागरूक नागरिक, एक सतर्क समाज और एक सशक्त राष्ट्र ही वास्तविक सुरक्षा की गारंटी दे सकता है। हमें यह समझना होगा कि संकट केवल बाहर से नहीं आते, कई बार हमारी लापरवाही ही हमें सबसे बड़े खतरे में डाल देती है। इसलिए सुरक्षा एक आदत बननी चाहिए, न कि केवल आपदा के समय याद आने वाली रणनीति। जागरूकता, सतर्कता और तकनीक का समुचित उपयोग ही वह आधार हैं, जिन पर एक सुरक्षित भविष्य का निर्माण संभव है। आइए, इस विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस पर हम यह संकल्प लें कि हम न केवल स्वयं सतर्क रहेंगे, बल्कि अपने परिवार, समाज और राष्ट्र की सुरक्षा को भी अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी समझेंगे। जब हर नागरिक सुरक्षा के प्रति सचेत होगा, तभी वास्तविक रूप से "सुरक्षित नागरिक, सुरक्षित राष्ट्र" का सपना साकार हो सकेगा!

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी(मप्र)

नई शिक्षा नीति, तनाव और अवसाद: एक विवेचन

परीक्षा पे चर्चा(पीपीसी)- २०२५ कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हो चुका है।पीएम ने परीक्षा पे चर्चा(पीपीसी) में स्टूडेंट्स को डिप्रेशन से लड़ने का तरीका बताया।पीएम ने टीचर्स और माता-पिता को अपने बच्चों पर अनावश्यक प्रेशर न देने को कहा है, लेकिन आज के इस आधुनिक प्रतिस्पर्धी युग में यह देखा गया है कि बच्चे परीक्षा के दौरान बहुत अधिक तनाव महसूस करते हैं। आज हर कहीं प्रतिस्पर्धा का भयंकर दौर है और हर अभिभावक, माता-पिता यह चाहते हैं कि उनका बच्चा किसी भी अन्य बच्चों से पढ़ाई में कमजोर न हो। अभिभावक, माता-पिता अपने बच्चों को हमेशा आगे बढ़ना देखना चाहते हैं और बच्चों से उनकी बहुत सी अपेक्षाएं होतीं हैं। जीवन में जो अभिभावक स्वयं नहीं कर सके, वे (अभिभावक) वह सब अपने बच्चों को फलीभूत होना देखना चाहते हैं, ऐसे में बच्चों पर अनावश्यक दबाव आ जाता है। शायद यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में परीक्षा का तनाव कुछ अधिक देखा जा रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि परीक्षा का दबाव छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत ज़्यादा असर डाल सकता है। इससे बच्चों के समक्ष तनाव, निराशा और अन्य भावनात्मक समस्याएं हो सकती हैं, जो कि उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। प्रायः यह देखा जाता है कि जब भी बोर्ड की परीक्षाएं नज़दीक आतीं हैं, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी झलकने लगतीं हैं।एग्जाम में कम मार्क्स और असफल होने का डर अक्सर बच्चों को तनाव और अवसाद की स्थिति में डाल देता है। वास्तव में परीक्षा के तनाव से बचने के लिए हमें यह चाहिए कि हम बच्चों को मोटिवेट करें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास करें। अभिभावकों को यह चाहिए कि वे अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों के साथ कभी भी नहीं करें, क्यों कि प्रत्येक बच्चे में ईश्वर ने अलग-अलग क्वालिटी दी है, कोई बच्चा किसी क्षेत्र में मजबूत होता है, कोई किसी अन्य क्षेत्र में। हर बच्चे में व्यक्तिगत अंतर(व्यक्तिगत विभिन्नता) पाये जाते हैं। परीक्षा के तनाव से बचने के लिए बच्चों को यह चाहिए कि वे शांत चित्त रहें और गहरी साँस लें और उसे धीरे-धीरे छोड़ें। कहना चाहूंगा कि परीक्षा तनाव प्रबंधन के लिए माइंडफुलनेस तकनीक एक बहुत ही शक्तिशाली उपकरण व उपयोगी तकनीक साबित हो सकती है। हर दिन कुछ मिनट गहरी साँस लेने, ध्यान लगाने या योगाभ्यास करने से मन को शांत होता है और परीक्षा के प्रति चिन्ता कम होती है। इतना ही नहीं, जब चिंता कम होती है तो परीक्षा पर ध्यान केंद्रित करने में भी मदद मिलती है। हमें यह बात याद रखनी चाहिए कि, शांत मन ही एकाग्र मन होता है और एकाग्रता होने पर पढ़ी हुई चीजें आसानी से याद रख सकते हैं। एकाग्रता से आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होती है। सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है।परीक्षा के तनाव को प्रबंधित करने के लिए खुद का ख्याल रखना बहुत ज़रूरी है।यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बच्चे पर्याप्त नींद ले रहे हैं और हाइड्रेटेड रह रहे हैं। एग्जाम के दौरान शरीर और मतिष्क को अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है, इसलिए फल, दूध, ड्राई फ्रूट्स, ओट्स, बींस, शकरकंद, ताज़ा जूस, हरी सब्जियां, नारियल पानी, पनीर, दही, छाछ का सेवन करना चाहिए। फास्ट फूड, जंक फूड से पूरी तरह बचना चाहिए।व्यायाम भी तनाव से राहत दिलाने में बहुत कारगर हो सकता है, इसलिए जब भी संभव हो कुछ शारीरिक गतिविधि करने की कोशिश की जानी चाहिए। परीक्षा की ठीक से प्लानिंग भी बहुत आवश्यक है। एक छात्र को परीक्षा तनाव से बचने के लिए अपनी अध्ययन सामग्री को एक साथ निपटाने की बजाय प्रबंधनीय टुकड़ों में विभाजित करके अध्ययन करना चाहिए।साथ ही, रिजीवन के लिए भी उचित समय निकालना होगा। एक छात्र को यह चाहिए कि वह जीवन के लक्ष्यों के बारे में शांति और संयम से सोचे और उनको प्राप्त करने के लिए अपनी कोशिश करे। याद रखिए कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।कहना चाहूंगा कि अपनी भावनाओं और चिंताओं के बारे में बात करने से, तनाव कम करने और मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान करने में मदद मिल सकती है। आज सरकार भी विद्यार्थियों का तनाव कम करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। मसलन, परीक्षा का तनाव कम करने के अनेक आज उपाय तलाशे जा रहे हैं।इस क्रम में आज पाठ्यक्रम का बोझ कम किया गया है। प्रश्नपत्रों को भी व्यावहारिक और अपेक्षाकृत आसान बनाया जा रहा है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में सीबीएसई बोर्ड ने कक्षा 10वीं के लिए साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। जानकारी के अनुसार यह बदलाव वर्ष २०२६ से लागू होगा। इस बदलाव का छात्रों को फायदा यह होगा कि छात्रों को परीक्षा में अपना प्रदर्शन सुधारने का एक अतिरिक्त अवसर मिल सकेगा। पाठकों को बताता चलूं कि नए स्वीकृत मसौदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं दो चरणों में आयोजित की जाएंगी। पहला चरण फरवरी और मार्च के बीच होगा, जबकि दूसरा चरण मई में होगा। दोनों परीक्षाओं में पूरे पाठ्यक्रम को शामिल किया जाएगा, जिससे छात्रों के ज्ञान और कौशल का व्यापक मूल्यांकन सुनिश्चित हो सकेगा। वास्तव में, नई परीक्षा रूपरेखा विषयों को सात समूहों में वर्गीकृत करती है: भाषा 1, भाषा २, ऐच्छिक 1, ऐच्छिक २, ऐच्छिक ३, क्षेत्रीय और विदेशी भाषाएं तथा शेष विषय।यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रैक्टिकल और आंतरिक मूल्यांकन साल में केवल एक बार ही आयोजित किए जाएंगे।इस नए ढांचे का उद्देश्य छात्रों को अधिक लचीलापन प्रदान करना और एकल वार्षिक परीक्षा से जुड़े दबाव को कम करना है। छात्रों को दोनों सत्रों में उपस्थित होने और अपनी तैयारी के लिए सबसे उपयुक्त सत्र चुनने का अवसर मिलेगा। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे विद्यार्थियों पर परीक्षा का मनोवैज्ञानिक दबाव कम होगा और उन्हें अपना परिणाम सुधारने के अधिक अवसर मिल सकेंगे। सच तो यह है कि इस निर्णय से छात्रों को परीक्षा फोबिया से मुक्ति मिलेगी। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो कुछ रिपोर्टों का अनुमान है कि 40% छात्र परीक्षा संबंधी चिंता का अनुभव करते हैं। एनसीईआरटी के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 81 प्रतिशत विद्यार्थियों ने पढ़ाई, परीक्षा और नतीजों को एंजायटी का कारण बताया था। बहरहाल,हमारी परीक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों पर परीक्षा में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने का दबाव होता है।अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० में विद्यार्थियों के सीखने-जानने एवं मूल्यांकन के समग्र दृष्टिकोण पर जोर दिया गया है।इस शिक्षा नीति में छात्रों में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है।विषयों के लचीलेपन के संदर्भ में समग्र और बहुविषयक शिक्षा पर बल दिया गया है।रिपोर्ट कार्ड केवल अंकों और विवरणों के बजाय कौशल और क्षमताओं पर एक व्यापक रिपोर्ट होगी।नई शिक्षा नीति में वर्तमान में सक्रिय 10+२ के शैक्षिक मॉडल के स्थान पर शैक्षिक पाठ्यक्रम को 5+3+3+4 प्रणाली के आधार पर विभाजित करने की बात कही गई है। इतना ही नहीं, प्रारंभिक शिक्षा को बहुस्तरीय खेल और गतिविधि आधारित बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी।नई शिक्षा नीति में कक्षा-5 तक की शिक्षा में मातृभाषा/ स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा को अध्यापन के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है, साथ ही इस नीति में मातृभाषा को कक्षा-8 और आगे की शिक्षा के लिये प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है।इस नीति में प्रस्तावित सुधारों के अनुसार, कला और विज्ञान, व्यावसायिक तथा शैक्षणिक विषयों एवं पाठ्यक्रम व पाठ्येतर गतिविधियों के बीच बहुत अधिक अंतर नहीं होगा। इसमें छात्रों के सीखने की प्रगति की बेहतर जानकारी हेतु नियमित और रचनात्मक आकलन प्रणाली को अपनाने का सुझाव दिया गया है। साथ ही इसमें विश्लेषण तथा तार्किक क्षमता एवं सैद्धांतिक स्पष्टता के आकलन को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अभी तक पाठ्यक्रम(करिकुलम) बड़ी नौकरियों और प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता था, लेकिन अब कौशल विकास(स्किल डेवलपमेंट) पर अधिक जोर दिया गया है। बहरहाल, एनईपी-२०२० का उद्देश्य स्कूली पाठ्यक्रम की सामग्री को न्यूनतम करके और विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच, अनुभवात्मक शिक्षा और रचनात्मकता जैसे २१वीं सदी के कौशल पर ध्यान केंद्रित करके छात्रों को समग्र और लचीला सीखने का अनुभव प्रदान करना है। अंत में, यही कहूंगा कि परीक्षाओं को आसान बनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों और अभिभावकों, माता-पिता के तनाव और अवसाद को कम करना है। संक्षेप में कहें तो, नई शिक्षा नीति का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समानता और सुलभता को बढ़ावा देना है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम परीक्षा को लेकर लापरवाही बरतें और इसे गंभीरता से लेना ही बंद कर दें।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

शब्दों के सारथी: श्री दिनेश तिवारी 'उपवन' जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

साहित्य एक प्रवाहमान धारा है, जिसमें कुछ व्यक्तित्व दीपशिखा की भाँति प्रकाश फैलाते हैं। ऐसे ही एक प्रख्यात साहित्यकार, श्रेष्ठ कवि, और विद्वान श्री दिनेश तिवारी 'उपवन' जी हैं, जिनका साहित्यिक योगदान प्रेरणादायी और अनुकरणीय है। उनके जन्मदिवस के शुभ अवसर पर, मैं उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ अर्पित करती हूँ।

एक समर्पित साहित्यकार का सफर

श्री दिनेश तिवारी 'उपवन' जी का जन्म बड़नगर, मध्यप्रदेश में हुआ। साहित्य के प्रति उनकी गहरी रुचि और समर्पण ने उन्हें न केवल एक उत्कृष्ट कवि, लेखक और संचालक बनाया, बल्कि उनकी सृजनशीलता ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी दिलाई। उनके ओजस्वी काव्य-पाठ और गहन भावनाओं से सजी रचनाएँ साहित्यजगत में एक विशिष्ट स्थान रखती हैं।

सम्मान और उपलब्धियाँ

श्री तिवारी जी ने आकाशवाणी और दूरदर्शन पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। उनकी साहित्यिक यात्रा को 1990 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो उनकी उत्कृष्टता को प्रमाणित करता है। उनकी कविताएँ और लेख देशभर की विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं और हर बार व्यापक सराहना पाते हैं।

राष्ट्रीय कवि प्रदीप जी से आत्मीय संबंध

किसी भी साहित्यकार के लिए यह गौरव की बात होती है कि उसे अपने क्षेत्र के अग्रजों का मार्गदर्शन मिले। श्री दिनेश तिवारी 'उपवन' जी को राष्ट्रीय कवि प्रदीप जी का सान्निध्य और स्नेह प्राप्त हुआ। दोनों के बीच एक पिता-पुत्र जैसे आत्मीय संबंध थे। यह उनके साहित्यिक जीवन की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है कि उन्होंने तीन बार

प्रदीप जी के साथ मंच साझा किया, जो उनकी साहित्यिक क्षमता और प्रभाव को दर्शाता है।

एक प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक

मेरी पहली भेंट श्री तिवारी जी से दूरदर्शन के एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। प्रारंभिक संवाद से लेकर आज तक, उनका साहित्यिक सान्निध्य मेरे लिए न केवल प्रेरणादायी रहा है, बल्कि उन्होंने हर स्तर पर मेरा मार्गदर्शन भी किया है। लेखन, काव्य-पाठ और साहित्यिक मंचों पर प्रस्तुति देने में उनका सहयोग और प्रेरणा मेरे लिए अत्यंत मूल्यवान रही है। उन्होंने मुझे विभिन्न साहित्यिक मंचों पर काव्य-पाठ के अवसर प्रदान किए, जो किसी भी उभरते साहित्यकार के लिए अनमोल अनुभव होते हैं।

व्यक्तित्व की गरिमा और योगदान

श्री तिवारी जी न केवल एक विद्वान साहित्यकार हैं, बल्कि अपनी विनम्रता, सहजता और विद्वत्ता के लिए भी जाने जाते हैं। वे साहित्य को एक दिशा देने वाले रचनाकारों में से हैं, जिनका योगदान साहित्यिक समाज के लिए अमूल्यहै। उनका कार्यक्षेत्र केवल लेखन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे नवोदित रचनाकारों को भी प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं।

शुभकामनाएँ

इस विशेष अवसर पर, मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर साहित्यिक योगदान की शुभकामनाएँ देती हूँ। वे इसी प्रकार साहित्य की सेवा करते रहें और अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से साहित्य जगत को समृद्ध करते रहें।

"साहित्य के उजियारे में,
शब्दों के दीप जलाते रहें।
दिनेश जी की लेखनी से,
सृजन के सुर नव गूँजते रहें।"

श्री दिनेश तिवारी 'उपवन' जी को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएँ!

स्वाति सिंह 'साहिबा'
दूरदर्शन साहित्यकारा
संस्थापिका – अनुरनन प्रतिध्वनि

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023